श्रावण शुक्ल - 4 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 6 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 28-07-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 संसद में चर्चा से पहले राहुल पाकिस्तान के विमर्श को दोहरा रहे हैं : भाजपा

फर्स्ट टेक

राजस्थान के 2,710 स्कूलों को बड़े पैमाने पर मरम्मत की ज़रूरत : रिपोर्ट

जयपुर/भाषा। राजस्थान में झालावाड़ के एक सरकारी स्कूल में छत गिरने से सात बच्चों की मौत के कुछ दिनों बाद, एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राज्य के 2,710 स्कूल भवनों को बड़े पैमाने पर मरम्मत की ज़रूरत है और इसके लिए आवंटित 254 करोड़ रुपए की धनराशि वित्त विभाग से अनुमोदन के लिए लंबित है। राज्य शिक्षा विभाग की पीटीआई भाषा को मिली रिपोर्ट के अनुसार, 2024-25 वित्तीय वर्ष में 710 स्कूल भवनों को बड़े पैमाने पर मरम्मत की आवश्यकता वाले के रूप में चिह्नित किया गया है और उनके नवीनीकरण के लिए 79.24 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं। चालू वित्तीय वर्ष में, ऐसे 2,000 और असुरक्षित स्कूलों को सूचीबद्ध किया गया है, जिनकी मरम्मत के लिए 174.97 करोड़ रुपए के अलग से बजट की घोषणा की गई है।

पूर्वी कांगो में चर्च पर हमला, 34 लोगों की मौत

गोमा/एपी। इस्लामिक स्टेट समर्थित विद्रोहियों द्वारा पूर्वी कांगो में एक कैथोलिक चर्च पर किए गए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। नागरिक संस्था के एक नेता ने यह जानकारी दी। इतुरी प्रांत के कोमांडा में नागरिक संस्था समन्वयक, डियूडोने डुरानथाबो ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया, ''शव अभी भी घटनास्थल पर हैं, और स्वयंसेवी उन्हें सामूहिक कब्र में दफनाने की तैयारी कर रहे हैं, जिसे हम कैथोलिक चर्च के परिसर में तैयार कर रहे हैं।'' इससे पहले निकटवर्ती गांव मचोंगानी पर हुए हमले में कम से कम पांच अन्य लोग मारे गए थे। यह हमला पूर्वी कांगो के कोमांडा में एक कैथोलिक चर्च परिसर में रात लगभग एक बजे किया गया।

रूस ने नौसेना दिवस 'जुलाई स्टॉर्म' युद्धाभ्यास, यूक्रेनी ड्रोन हमलों के साथ मनाया

मॉस्को/भाषा। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि नौसैन्य परेड की बजाय युद्धाभ्यास करना ज्यादा समझदारी है। उन्होंने रूसी नौसेना की सराहना की और देश के हितों एवं संप्रभुता की रक्षा करने में उसकी ''महत्वपूर्ण भूमिका'' को रेखांकित किया। पुतिन रूस के नौसेना दिवस के अवसर पर सेंट पीटर्सबर्ग (जहां रूस का नौसेना मुख्यालय एडमिरल्टी स्थित है) में भाषण दे रहे थे। इस दिन पारंपरिक नौसैन्य परेड के बजाय समुद्रों और महासागरों में 'जुलाई स्टॉर्म' युद्धाभ्यास का समापन हुआ। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि सेंट पीटर्सबर्ग में मुख्य नौसैन्य परेड 'सुरक्षा संबंधी सर्वोपरि मुद्दों के कारण रद्द कर दी गई।

28-07-2025 सूर्यास्त 6:47 बजे	29-07-2025 सूर्योदय 6:04 बजे
BSE 81,463.09 (-721.08)	NSE 24,837.00 (-225.10)
सोना 10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 116,534 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये राजनीति वाले

राजनीति करने वाले क्या,
हैं जनसेवक सब सच्चे?
कैसे कुछ सालों में होते,
इन के सारे ही दिन अच्छे?
सेवा की सेवादारी लख,
धनपति भी खा जाते गच्चे।
इन सब को देख-देख करके,
उड़ते जन गण के परखच्चे।।

'ऑपरेशन सिंदूर' से साबित हुआ कि

भारत के दुश्मनों के लिए कोई स्थान सुरक्षित नहीं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगईकोंडा चोलपुरम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को दिखाया कि अगर भारत की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वह किस तरह जवाब देगा और सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह भी साबित कर दिया कि भारत को निशाना बनाने वाले दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई पनाहगाह नहीं है।

यह कार्यक्रम महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है, जिसे 'आदि तिरुवथिरई' (तमिल माह आदि में राजा का जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई है) उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

यह उत्सव दक्षिण पूर्व एशिया में राजेंद्र चोल के समुद्री अभियान के 1,000 वर्ष पूरे होने और चोल वास्तुकला के एक शानदार उदाहरण गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण की शुरुआत का स्मरण कराता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के चुनिंदा ठिकानों पर किए गए सैन्य हमलों के बारे में कहा, ''दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है तो वह किस तरह जवाब देता है।'' उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि भारत के दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई सुरक्षित पनाहगाह नहीं है। जब मैं हेलीपैड से यहां आया तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक रोड शो में बदल गई और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था।''

मोदी ने कहा, ''इसने पूरे देश में एक नई जागृति, एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का एहसास होना चाहिए।''

'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा यह अपनी पहचान खो देगा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए।

कोच्चि/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि 'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा यह अपनी पहचान और विश्व में इसे जो सम्मान प्राप्त है, वह खो देगा।

भागवत ने कहा कि इंडिया तो 'भारत' है लेकिन जब हम इसके बारे में बात करते हैं, लिखते हैं या बोलते हैं तो इसे इसी रूप में रखा जाना चाहिए फिर चाहे वह सार्वजनिक रूप से हो या व्यक्तिगत रूप से।

उन्होंने कहा कि क्योंकि यह भारत है इसलिए भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है।

उन्होंने कहा, '' भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। यह सच है कि 'इंडिया भारत है'। लेकिन भारत, भारत है। इसलिए बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''भारत को भारत ही रहना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है क्योंकि यह भारत है। अगर आप अपनी पहचान खो देते हैं तो चाहे आपके कितने भी अच्छे गुण क्यों न हों आपको इस दुनिया में कभी सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलेगी।

जडेजा और सुंदर की शानदार पारियों से

भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट ड्रॉ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा अपनी नाबाद शतकीय पारियों के दौरान दो से अधिक सत्र तक बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में रविवार को यहां पांचवें दिन भारत को हार के कगार से वापसी कराकर ऐतिहासिक ड्रॉ हासिल करने में सफल रहे।

पांच मैचों की इस करीबी श्रृंखला में इंग्लैंड अब भी 2-1 से आगे है लेकिन तीन दिन (31 जुलाई) के बाद से शुरू हो रहे पांचवें टेस्ट में अब भारत के पास श्रृंखला को बराबर करने का मौका होगा।

पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाये दो विकेट गंवा दिए थे लेकिन इसके बाद बल्लेबाजों ने मजबूत दृढ़ संकल्प दिखाया और अनुकूल परिणाम हासिल किया।

मैच में भारत की वापसी का श्रेय कप्तान शुभमन गिल (238 गेंदों में 103 रन) और लोकेश राहुल (230 गेंदों में 90 रन) के बीच तीसरे विकेट के लिए हुई 188 रन की साझेदारी के साथ जडेजा (185 गेंदों में 107 रन नाबाद) और सुंदर (206 गेंदों में 101 रन नाबाद) के प्रयासों को जाता है।

जडेजा और सुंदर ने पांचवें विकेट के लिए 203 रन की अटूट साझेदारी कर इंग्लैंड को मैच में वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। दोनों ने शतक जड़ने के साथ इंग्लैंड के गेंदबाजों और क्षेत्ररक्षकों को थकाने में भी योगदान दिया।

मैच के आखिरी घंटे का खेल शुरू होते समय इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स मैच खत्म करना चाहते थे, लेकिन सुंदर और जडेजा के शतक के करीब होने के कारण भारत ने खेल जारी रखने का फैसला किया। स्टोक्स भारत के इस फैसले से खुश नहीं थे।

संस्कार शिविर के प्रबल प्रेरक हैं संतश्री पदमचन्द : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

अलसूर में आयोजित हुई 'जैनत्व की ओर' प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में साध्वी इंदुप्रभाजी के सान्निध्य में मुनि डॉ पदमचंद जी के 62वें जन्मदिवस प्रसंग पर 'जैनत्व की ओर' विषय पर अनुभव प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में जैन तत्व के विभिन्न आयामों को चित्र एवं मॉडल तथा लेखों से प्रदर्शित किया गया और आगंतुकों को विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा, मंत्री अभय कुमार बांठिया तथा तेजराज लोढ़ा ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। महिला मंडल, युवक संघ, नवकार बहु मंडल, वर्धमान बालक मंडल, जय ब्राह्मी बालिका मंडल, जे पी पी महिला फाउंडेशन के सदस्यों ने प्रदर्शनी का संयोजन किया। जयमल जैन श्रावक संघ के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। अपने माता पिता के वात्सल्य से वंचित छत्र छाया संस्था में रह रहे बच्चों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मोतीलाल रांका, शांतिलाल बोहरा, मनोहरलाल डूंगरवाल ने विजेताओं का चयन किया।

प्रदर्शनी में नाटिकाओं के जरिए इतिहास की जानकारी दी गई। प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने डा. मुनि पदमचंद जी को जन्मदिन की बधाई देते हुए कहा कि वे प्रबल पुरुषार्थ से श्रद्धेय बने। उन्होंने 64 सती और बड़ी साधु वंदना पर विस्तृत विवेचन कर जिनशासन को अनमोल भेंट दी है।

पदममुनिजी ने सदैव बच्चों में भविष्य देखा, इसलिए वे संस्कार शिविर के प्रबल प्रेरक हैं। सामायिक दिवस पर अपने प्रवचन में साध्वी निपुणप्रभा जी ने कहा कि मात्र साधना से ही हम अपना जन्म सार्थक कर सकते हैं। साध्वी वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि संत पदमचंदजी ने युवावस्था में संयम ग्रहण कर जैन और जैनेतर दर्शनों का शोध पूर्ण अध्ययन किया और प्रभावशाली वक्ता बने। उनमें सकारात्मकता का विशेष गुण है। उन्होंने ही जैन कैलेंडर प्रारंभ किया।

पदमचंद जी दूरदृष्टा और पुरुषार्थी हैं।ङ्गङ्गसंघ की ओर से शुभकामना व्यक्त करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि डा. मुनि पदमचंदजी संकल्प के धनी और शिष्य संपदा के ज्ञान विकास हेतु जुनून रखने वाले संत हैं। इस अवसर पर अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तप संकल्प लिया। साध्वी शशिप्रभाजी मंगल पाठ सुनाया।

निष्काम प्रेम के परिचायक होते हैं सच्चे आंसू : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने रविवारीय विशेष प्रवचन में 'आंसुओं का इतिहास' विषय पर कहा कि गुरु गौतम स्वामी ने प्रभु वीर के प्रति बहाए आंसुओं के लिए कहा कि उनके आंसुओं की कीमत अमूल्य थी। वो आंसू उनके प्रभु वीर के प्रति निष्काम प्रेम के परिचायक थे। उनकी प्रभु वीर के प्रति मोह की लडी.जब टूटी तब उन्हें सच्चा केवल ज्ञान प्राप्त हुआ।

प्रभु वीर के लिए चन्दन बाला के जब दो आंसू निकले तब परमात्मा का पारणा हुआ। हम इस संसार में कितने ही आंसू बहाते हैं लेकिन उनकी कोई कीमत नहीं है। इस मोह माया से भरे संसार से हमें विरक्त बनना है।

कार्यक्रम में 'सुपर मॉम्स कार्यक्रम' के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस कार्यक्रम में अलग अलग विधाओं के आठ प्रथम पुरस्कार और तीस सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की कोशिश करने वाले अतिवादी तत्वों को जगह न दें : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के लोगों को बेहद सकारात्मक और प्रगति चाहने वाला बताते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने रविवार को कहा कि देश के बाहर से कुछ अराजक तत्व केंद्र शासित प्रदेश में शांति और विकास को पटरी से उतारने की कोशिश कर रहे हैं।

रीजीजू ने कहा कि एक मजबूत भारत एक मजबूत जम्मू-कश्मीर के बिना अधूरा है और स्थानीय युवाओं को आश्वासन दिया कि हम आपको अपनी आवाज बुलंद करने और अपनी बात कहने का पूरा मौका देकर आपको गौरवान्वित करेंगे। कश्मीर विवि में पूर्व छात्र सम्मेलन 2025 को संबोधित कर रहे संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा कि राजनेताओं को देश के हित में राजनीतिक मतभेदों को भूलना चाहिए और प्रेम की दुकानें खोलने के बजाय प्रेम के मार्ग पर एक साथ चलना चाहिए। उन्होंने अप्रैल में कश्मीर की अपनी पिछली यात्रा के दौरान डल झील के किनारे एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ हुई अपनी आकस्मिक मुलाकात का भी जिक्र किया और कहा कि सुबह-सुबह अचानक हुई इस मुलाकात से राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया, जो नहीं होना चाहिए था। मंत्री ने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उस महान यात्रा, विकसित भारत यात्रा का हिस्सा बनें।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छता के लिए भोपाल की 'सकारात्मक सोच' की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को आकाशवाणी के अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था 'सकारात्मक सोच' की सराहना की और राज्य के बुंदेलखंड के ऐतिहासिक किलों की विशिष्टता का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसके लिए प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि बुंदेलखंड के ऐतिहासिक किलों की विशिष्टता और भोपाल की स्वच्छता के प्रति जागरूक महिलाओं की सराहना कर उन्होंने राज्य का उत्साहवर्धन किया है।

यादव ने कहा, यह दिव्य ऊर्जा और नवसंकल्प से अभिभूत करता है। प्रधानमंत्री मोदी जन-जन की शक्ति को राष्ट्र के नव निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।

मुख्यमंत्री ने यहां वार्ड 50 की गुलमोहर कॉलोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ बरगद का पौधा भी रोपा। उन्होंने स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम, देशवासियों से सीधा संवाद स्थापित करने का प्रभावी माध्यम बन गया है। उन्होंने

कहा, इससे देशभर की प्रेरणादायक जानकारियां मिलती हैं, जो राष्ट्र निर्माण के मार्ग में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

इससे पहले, प्रधानमंत्री ने स्वच्छता के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्था 'सकारात्मक सोच' का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें 200 महिलाएं हैं। उन्होंने कहा, ये सिर्फ सफाई नहीं करती, सोच भी बदलती है। एक साथ मिलकर शहर के 17 पार्कों की सफाई करना, कपड़े के थैले बांटना, इनका हर कदम एक संदेश है। ऐसे प्रयासों की वजह से ही भोपाल भी अब स्वच्छ सर्वेक्षण में काफी आगे आ गया है।

हाल ही में जारी स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 में भोपाल को देश का दूसरा सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि भोपाल ने स्वच्छता में रैंकिंग से जो अपनी पहचान बनाई है उसके लिए भोपाल वासी बधाई के पात्र हैं।

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थलों के रूप में 12 मराठा किलों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश के और हिस्सों में भी ऐसे ही अद्भुत किले हैं, जिन्होंने आक्रमण झेले, खराब मौसम की मार झेली लेकिन आत्मसम्मान को कभी भी झुकने नहीं दिया।

इस क्रम में उन्होंने कहा कि बुन्देलखंड में भी ऐसे कई किले हैं जो हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं।

मोदी ने कहा, ग्वालियर, झांसी, दतिया, अजयगढ़, गढ़कुंडार, चंदेरी। ये किले सिर्फ ईंट-पत्थर नहीं है, ये हमारी संस्कृति के प्रतीक हैं। संस्कार और स्वाभिमान, आज भी इन किलों की ऊंची-ऊंची दीवारों से झांकते हैं। उन्होंने देशवासियों से इन किलों की यात्रा कर उनके इतिहास और गौरव को जानने का आग्रह किया।

जागरण सेमिनार से उत्तर कर्नाटक के लोगों को मिल रही नई दिशा

अकेले शेर का लकड़बग्घे भी कर लेते हैं शिकार : विमलसागरसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। स्थानीय राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में तीसरी जागरण सेमिनार को संबोधित करते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि हम सभी को यह नहीं भूलना चाहिए कि जंगल का राजा शेर अपार शक्तिशाली होता है, लेकिन अगर कभी वह अकेला है तो मौके का फायदा उठाते हुए लकड़बग्घे भी उसका शिकार कर लेते हैं। शेर की अपेक्षा लकड़बग्गे कमजोर होते हैं, लेकिन वे संगठित रहते हैं और सब मिलकर हमला करते हैं। अल्प शक्तियां भी संगठित होकर बहुशक्ति बन जाती है, जबकि शक्तिशाली व्यक्ति संगठन से अलग होकर शक्तिहीन हो जाता है। आचार्यश्री ने कहा कि संगठन में अद्भुत शक्ति होती है। संगठन के अपार सुख और फायदे हैं। जो संगठित हैं, वे इसे भलीभांति जानते हैं। जबकि विघटन के अनेक दुःख हैं। जो उन्हें भुगत रहे हैं, वे सह भी नहीं पाते हैं और किसी को कह भी नहीं पाते हैं। विघटित मानसिकता मनोरोग जैसी होती है। परिवार हो या समाज, यह भीतर ही भीतर दीमक की तरह हमें समाप्त कर देती है। प्रतिस्पर्धा से भरे आधुनिक युग में जो विघटन के विचार करता है, वह अपने परिवार और समाज के विनाश का इंतजाम कर रहा है।

कोई कितने भी धनवान या बुद्धिशाली हों, आने वाले युग में सिर्फ संगठित समाज व परिवार ही विकास करेंगे और सुरक्षित रहेंगे। जो विघटित रहेंगे, वे शक्तिशाली और सामर्थ्यवान होते हुए भी समाप्त हो जाएंगे। संघ के ट्रस्टी दलीचंद कवाड़ ने बताया कि सेमिनार के अंत में आयोजित परिचर्चा में युवक-युवतियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

गरीबों के प्रति संवेदनहीनता, सत्ता का अहंकार

राहुल गांधी ने तोड़फोड़ को लेकर भाजपा पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि दिल्ली में सैकड़ों झुग्गी-झोपड़ी निवासी बेघर होने के दर्द से गुजर रहे हैं, क्योंकि भाजपा सरकार ने उनके घरों को तोड़ दिया है। उन्होंने दावा किया कि यह ''अत्याचार'' सत्तारूढ़ पार्टी की गरीबों के प्रति असंवेदनशीलता और उसके ''सत्ता के अहंकार'' को उजागर करता है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दिल्ली के अशोक विहार इलाके के अपने हालिया दौरे का एक वीडियो साझा किया, जहां प्रशासन द्वारा कई लोगों के घर गिरा दिए गए थे। राहुल गांधी ने एक वीडियो साझा करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सोचिए, अगर आपके अपने मां-बाप, बच्चे या भाई-बहन के सिर से अचानक छत छीन ली जाए

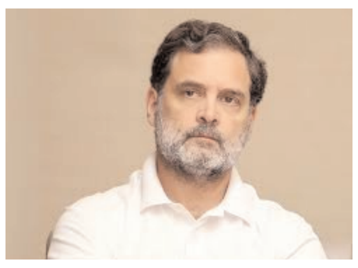

– अगर आपके पूरे परिवार को एक ही पल में बेघर कर दिया जाए, तो आपको कैसा लगेगा? दिल्ली की झुग्गियों में रहने वाले सैकड़ों गरीब परिवार आज इसी दर्द से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा, जिन छोटे-छोटे घरों में उनकी पूरी ज़िंदगी बसी थी, उन्हें भाजपा सरकार ने बेरहमी से उजाड़ दिया। ये सिर्फ़ घर नहीं थे – ये उनके सपने, उनका सम्मान और जीने का सहारा था।

कांग्रेस नेता ने कहा, प्रशासन की आड़ में किया जा रहा यह अत्याचार, गरीबों के प्रति भाजपा की संवेदनहीनता और सत्ता के घमंड को उजागर करता है। हम इन उजाड़े गए परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं। ये लड़ाई अब सिर्फ़ घरों की नहीं, इंसाफ और इंसानियत की है – और हम हर मोर्चे पर लड़ेंगे। पिछले सप्ताह, राहुल गांधी ने अशोक विहार के जेलरवाला बाग और वजीरपुर में कुछ परिवारों से मुलाकात की थी, जिनके घरों को ''दिल्ली की भाजपा सरकार ने बुलडोजर से गिरा दिया था।

वीडियो में, गांधी बेघर हुए परिवारों से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस नेता ने उन्हें उनके मुद्दे उठाने और कानूनी सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने पिछले महीने पश्चिमी दिल्ली के अशोक विहार में अतिक्रमण-रोधी अभियान चलाया था और 300 से ज्यादा अवैध घरों को ढहा दिया था। भारतीय रेलवे द्वारा उत्तरी दिल्ली के वजीरपुर क्षेत्र में भी इसी तरह का अतिक्रमण-रोधी अभियान चलाया गया था।

कोविंद ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को यहां राष्ट्रपति भवन में मौजूदा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन ने यह जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने मुलाकात की तस्वीर 'एक्स' पर एक पोस्ट में साझा करते हुए लिखा, भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। कोविंद ने 'एक साथ चुनाव' संबंधी एक उच्च-स्तरीय समिति का भी नेतृत्व किया।

जीतो जेबीएन वी-कनेक्ट ने आयोजित किया ऑफिस दर्शन कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो जेबीएन वी-कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह की सदस्याओं ने शांतिनगर स्थित लॉ ऑफ अट्रेक्शन और मैनिफेस्टेशन कोच मीना जैन के निवास पर ऑफिस दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया। चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना, उप चेयरपर्सन सुमन वेदमुथा एवं मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ भी उपस्थित थीं। मीना जैन ने अपने 22 वर्षों के गहन अनुभव और 175 से ज्यादा क्लाइंट्स को दी गई सेवाओं के आधार पर रेकी, चक्र हीलिंग तथा लॉ ऑफ अट्रेक्शन जैसी शक्तिशाली तकनीकों से जीवन को सकारात्मक दिशा देने के अनुभव सुनाए। बैठक में 40 से अधिक सदस्याएं उपस्थित थीं।

संविधान के प्रति सम्मान के लिए जम्मू कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल किया जाए: अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि अगर देश के संविधान का सम्मान किया जाना है तो जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर स्थानीय सरकार के पास सुरक्षा की जिम्मेदारी होती, पहलगाम में आतंकी हमले को टाला जा सकता था।

केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की बढ़ती मांग के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में अब्दुल्ला ने कहा, यह आशावान होने का सवाल नहीं है। उन्होंने हाल में यहां 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अगर भारत के संविधान का सम्मान किया जाना है, तो राज्यों को कभी भी केंद्र शासित प्रदेशों में नहीं बदला जाए। केंद्र शासित प्रदेश को राज्य में बदला जाता है। (लेकिन) त्रासदी यह है कि उन्होंने एक राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया। और उन्होंने क्या हासिल कर लिया?'' अब्दुल्ला ने उल्लेख किया कि छह साल पहले पांच अगस्त 2019 को जब अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किया गया था, तब ''वादा'' किया गया था कि ''आतंकवाद खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा, क्या आतंकवाद खत्म हो गया है? या बढ़ गया है? केंद्र को संसद में इसका जवाब तो देना ही चाहिए।

महाराष्ट्र की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को चार साल में देश में सर्वश्रेष्ठ बनाने पर काम जारी : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि अगले चार वर्षों में राज्य में देश की सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य सेवाएं स्थापित करने के लिए एक व्यापक योजना बनाई गई है, जिसके तहत तीन किलोमीटर के दायरे में प्रत्येक व्यक्ति को प्राथमिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

फडणवीस ने यहां दिवंगत भानुताई गडकरी मेमोरियल डायग्नोस्टिक सेंटर का उद्घाटन करने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ-साथ इलाज की लागत भी बढ़ रही है, जो सरकारी स्वास्थ्य प्रणाली के तहत अधिक लोगों को किफायती और रियायती सेवा उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर प्रकाश डालती है।

फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार और केंद्र इस पहलू पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य सेवाओं के एक अध्ययन से पता चला है कि सरकार ने महाराष्ट्र में बहुत अच्छे तृतीयक उपचार केंद्र विकसित किए हैं, लेकिन प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में हम कुछ हद तक पीछे हैं। अगर अनुपात के हिसाब से देखें तो 60 प्रतिशत धनराशि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और 40 प्रतिशत तृतीयक सेवाओं के लिए जानी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी स्वर्गीय भानुताई गडकरी मेमोरियल डायग्नोस्टिक सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया, जिसका नाम उनकी मां के नाम पर रखा गया है।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने सिंगापुर में तेलुगु पढ़ाए जाने का आह्वान किया

सिंगापुर/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने रविवार को सिंगापुर के स्कूलों में तेलुगु को दूसरी भाषा के रूप में पढ़ाए जाने का आह्वान किया। नायडू ने यहां प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। वह आंध्र प्रदेश को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने के लिए पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर सिंगापुर में हैं। मुख्यमंत्री ने दुनियाभर की बहुराष्ट्रीय कंपनियों के तेलुगु मूल के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) की विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए सीएक्सओ (मुख्य अनुभव अधिकारी) क्लब का भी उद्घाटन किया। एक सामुदायिक नेता के अनुसार, सिंगापुर में तेलुगु मूल के लगभग 40,000 लोग हैं। नायडू यहां 'वन वर्ल्ड इंटरनेशनल स्कूल डिजिटल कैंपस' में लगभग 2,000 प्रवासी सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। सिंगापुर में तमिल चार आधिकारिक भाषाओं में से एक है (तीन अन्य-मलय, अंग्रेजी और मंदारिन हैं)। इसके अलावा, हिंदी और पंजाबी भी सिंगापुर के स्कूलों में मातृभाषा के रूप में पढ़ाई जाने वाली भाषाओं में शामिल हैं। भारतीय उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, अपने भाषण में, मुख्यमंत्री नायडू ने सिंगापुर के स्कूलों में तेलुगु पढ़ाए जाने का आह्वान किया।

फिल्म 'पायरेसी' में शामिल लोगों को तीन साल तक कैद की सजा दी जा सकेगी: केंद्र सरकार

नई दिल्ली/भाषा। डिजिटल 'पायरेसी' पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने कानूनों में संशोधन करके फिल्मों की अवैध रिकॉर्डिंग और प्रसारण में शामिल लोगों के लिए तीन साल तक की कैद और निर्माण लागत के 5% तक के कठोर जुर्माने का प्रावधान किया है। पायरेसी का आशय सॉफ्टवेयर, संगीत, फिल्मों और पुस्तकों जैसी कॉपीराइट सामग्री के अनधिकृत पुनरुत्पादन, वितरण या उपयोग से है। सरकार ने फिल्म 'पायरेसी' के खिलाफ प्रावधानों को मजबूत करने के लिए दो साल पहले सिनेमैटोग्राफ अधिनियम में ये बदलाव किए थे। सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने पिछले हफ्ते संसद को बताया, इन संशोधनों में न्यूनतम 3 महीने की कैद और 3 लाख रुपए के जुर्माने की सख्त सजा शामिल है, जिसे 3 साल की कैद और ऑडिट की गई सकल निर्माण लागत के पांच प्रतिशत तक के जुर्माने तक बढ़ाया जा सकता है।

कर्नाटक सरकार नकली उर्वरक की आपूर्ति करने वाली कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज करे : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने सिद्दरामय्या सरकार पर राज्य को 'विफल' बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने रविवार को प्रदेश की कांग्रेस सरकार से किसानों को घटिया गुणवत्ता के बीज और नकली उर्वरक आपूर्ति करने वाली कंपनियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर सख्त कार्रवाई करने की अपील की। विजयेंद्र ने कहा कि किसानों को ठगने वाले नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए एक पुलिस सतर्कता दल का गठन किया जाना चाहिए।

विजयेंद्र ने बाद में कहा कि भाजपा की किसान शाखा सोमवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने राज्य सरकार पर अपने 'कुप्रबंधन' से राज्य के विभिन्न हिस्सों में यूरिया की 'कृत्रिम कमी' और किसानों में 'घबराहट' पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि दलालों और व्यापारियों के पास इसके भंडार हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राज्य के कुछ हिस्सों में घटिया गुणवत्ता के बीज और उर्वरक की आपूर्ति किए जाने, यूरिया की कमी को लेकर किसानों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

विजयेंद्र ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, व्यवस्था के अंदर अन्नदाता किसानों को परेशान करने और उनका शोषण करने की कोशिशें लंबे समय से चल रही हैं। उर्वरक और बीज आपूर्ति करने वाली कंपनियां इस बार अच्छे मानसून की पृष्ठभूमि में अच्छी फसल की उम्मीद कर रहे उत्साही किसानों को घटिया गुणवत्ता के बीज मुहैया कराकर खेतीबारी को नुकसान पहुंचाने का घृणित कार्य कर रही हैं।

उन्होंने लिखा, ''मैं सरकार से अपील करता हूं कि इस संबंध में ऐसी कंपनियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करे और सख्त कार्रवाई करे। मेरी यह भी अनुरोध ही है कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक उपाय करे कि कृषक समुदाय को समय पर गुणवत्तापूर्ण बीज और आवश्यक उर्वरक मिलें।'' प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के मुताबिक सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए कि देश का सबसे बड़ा मानव संसाधन और मानसून के भरोसे रहने वाला कृषक समुदाय किसी भी समस्या का सामना न करे।

विजयेंद्र ने कहा कि इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कृषि प्रोत्साहन योजनाओं के साथ-साथ किसानों की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार को भी इस संबंध में प्रतिबद्ध कदम उठाने की आवश्यकता है, ताकि किसानों का जीवन प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग को मजबूत करने और किसानों को ठगने वाले नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए एक पुलिस सतर्कता दल का गठन किया जाना चाहिए। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा राज्य को पर्याप्त मात्रा में यूरिया दिए जाने के बावजूद कृत्रिम कमी पैदा की गई है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक को केंद्र से 8,70,000 मीट्रिक टन से ज्यादा यूरिया मिला है, लेकिन बाजार में केवल 5,30,000 मीट्रिक टन ही उपलब्ध है।

भारत की यात्रा पर हैं हॉलीवुड अभिनेता कोस्टर-वाल्डो, बेंगलूरु के कैफे में देखे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। हॉलीवुड टेलीविजन सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के अभिनेता निकोलाज कोस्टर-वाल्डो भारत की यात्रा पर हैं और उन्हें बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे में देखा गया। सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' की एक उपयोगकर्ता ने अभिनेता से मुलाकात का एक वीडियो साझा किया। अभिनेता के प्रशंसक ने कोस्टर-वाल्डो का वीडियो बनाया और उनके साथ सेल्फी भी ली। प्रशंसक ने बताया कि जब वह कैफे में थीं तो उनकी मुलाकात अभिनेता कोस्टर-वाल्डो से हुई। ट

उन्होंने यह वीडियो साझा करते हुए कहा, जब मैं बेंगलूरु के रामेश्वरम कैफे में थी और मैं जब अपना वीडियो बना रही थी तो मैंने देखा कि गेम ऑफ थ्रोन्स' के अभिनेता निकोलाज कोस्टर-वाल्डो उर्फ जैमे लैनिस्टर मेरे ठीक पीछे खड़े हैं।

कैफे के आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर एक और पोस्ट साझा की गई, जिसमें अभिनेता अपनी टीम के साथ देखे जा सकते हैं। पोस्ट में लिखा गया, राजाजीनगर स्थित रामेश्वरम कैफे में सितारों से सजी एक यादगार शाम! आज हमें बेहद प्रतिभाशाली निकोलाज विलियम कोस्टर-वाल्डो और उनकी टीम की मेज़बानी करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। अपने शानदार अभिनय और करिश्माई व्यक्तित्व के लिए दुनिया भर में मशहूर निकोलाज का आना हमारे लिए वाकई एक यादगार पल रहा। हमारे दक्षिण भारतीय व्यंजनों का लुत्फ उठाने के लिए आपका धन्यवाद।

मैं काशी से सांसद, जब 'ॐ नमः शिवाय' सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगईकोंडा चोलपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में 'आदि तिरुवथिराई उत्सव' में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि चोल राजाओं ने अपने राजनयिक और व्यापारिक संबंधों का विस्तार श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक किया था। ये भी एक संयोग है कि मैं शनिवार को ही मालदीव से लौटा हूं और अभी तमिलनाडु में इस कार्यक्रम का हिस्सा बना हूं। चोल वंश के महान सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती पर गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने सम्राट के सम्मान में स्मारक सिक्का भी जारी किया। कार्यक्रम में भजन प्रस्तुति की गई, जिसे सुनकर प्रधानमंत्री मोदी भी भावविभोर हो गए।

उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं काशी का सांसद हूं और जब मैं 'ॐ नमः शिवाय' सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिव दर्शन की अद्भुत ऊर्जा, श्री इलैयाराजा का संगीत और मंत्रोच्चार, यह आध्यात्मिक अनुभव मन को भावविभोर कर देता है। बृहदेश्वर शिव मंदिर का निर्माण शुरू होने के 1000 साल के ऐतिहासिक अवसर पर सावन के पवित्र महीने में मुझे भगवान बृहदेश्वर शिव के चरणों में पूजा करने का सौभाग्य मिला है। मैंने इस मंदिर में देशभर के 140 करोड़ लोगों के कल्याण और देश की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की।

भगवान शिव का आशीर्वाद सभी को मिले, यही मेरी कामना है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 'हर-हर महादेव' का जयकारा भी लगाया।

सांस्कृतिक मंत्रालय की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विभाग ने यहां अद्भुत प्रदर्शनी लगाई है। यह ज्ञानवर्धक और प्रेरक है। हमें गर्व होता है कि 1000 साल पहले हमारे पूर्वजों ने किस तरह मानव कल्याण को लेकर दिशा दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सेंगोल' का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, जब देश की नई संसद का लोकार्पण हुआ, तो हमारे शिव आदीनम के संतों ने उस ऐतिहासिक आयोजन का आध्यात्मिक नेतृत्व किया था। तमिल संस्कृति से जुड़े 'सेंगोल' को संसद में स्थापित किया गया। मैं आज भी उस पल को याद करता हूं तो गौरव से भर जाता हूं।

उन्होंने कहा कि चोल साम्राज्य का इतिहास और उसकी विरासत भारत के वास्तविक सामर्थ्य का प्रतीक है।

यह उस भारत के सपने की प्रेरणा है, जिसे लेकर आज हम विकसित भारत के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। चोल राजाओं ने भारत को सांस्कृतिक एकता में पिरोया था। आज हमारी सरकार चोल युग के उन्हीं विचारों को आगे बढ़ा रही है। काशी-तमिल संगमम् और सौराष्ट्र-तमिल संगमम् जैसे आयोजनों के माध्यम से हम एकता के सदियों पुराने सूत्रों को और अधिक मजबूत कर रहे हैं।

पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई के पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शनिवार रात यहां हवाई अड्डे पर मुलाकात की। पार्टी ने यह जानकारी दी। पलानीस्वामी ने शनिवार रात हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री का स्वागत किया और कुछ मिनट तक उनसे बातचीत की। इस साल अप्रैल में अन्नाद्रमुक और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच चुनावी गठबंधन होने के बाद पलानीस्वामी की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात थी। यह मुलाकात अन्नाद्रमुक के इस दावे के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत मिलेगा और वह अपने दम पर सरकार बनाएगी, जबकि भाजपा अपने इस रुख पर अड़ी हुई है कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) चुनाव जीतता है तो वह सरकार का हिस्सा होगी।

तमिल मानिला कांग्रेस (मूपनार) के शीर्ष नेता जी के वासन भी प्रधानमंत्री की अगवानी के लिए हवाई अड्डे पर मौजूद थे। अन्नाद्रमुक समर्थक एक टेलीविजन चैनल से विशेष बातचीत के दौरान पलानीस्वामी ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के दौरान उनसे हुई संक्षिप्त बातचीत को शानदार बताया। प्रधानमंत्री मोदी लगभग 4,900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद शनिवार रात तूतीकोरिन से यहां पहुंचे।

सुरजेवाला प्रशासन में हस्तक्षेप नहीं कर रहे, भाजपा-जद (एस) के आरोप में कोई सच्चाई नहीं : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दावणगेरे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने विपक्षी दलों द्वारा रणदीप सिंह सुरजेवाला को ''सुपर सीएम'' कहे जाने को महज आरोप करार देते हुए रविवार को कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव का प्रशासन में किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं है। गृह मंत्री ने कहा कि विपक्ष की बातों में कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रभारी महासचिव होने के नाते सुरजेवाला का राज्य का बार-बार दौरा करना स्वाभाविक है, क्योंकि उन्हें यह निगरानी रखनी होती है कि कांग्रेस सरकार चुनावों से पहले अपने घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा कर रही है या नहीं। सुरजेवाला ने हाल में सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों और मंत्रियों के साथ कई बैठकें कीं, जिसको लेकर विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल (सेक्युलर) ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्हें ''सुपर सीएम''

करार दिया। विपक्ष ने यह भी दावा किया कि कांग्रेस आलाकमान का मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से पूरा भरोसा उठ गया है और कर्नाटक में ''रणदीप राज'' लागू कर दिया है। सुरजेवाला को ''सुपर सीएम'' कहने की विपक्ष की आलोचना के संबंध में एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा, ''ये सिर्फ आरोप हैं। इनमें कोई सच्चाई नहीं है। सुरजेवाला हमारी पार्टी के प्रभारी महासचिव हैं। उन्हें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने नियुक्त किया है। इसमें कुछ भी नया नहीं है। वे चुनाव से पहले भी थे और अब भी हैं।'' उन्होंने कहा, ''स्वाभाविक रूप से, वह यह देखने के लिए राज्य का दौरा करते रहते हैं कि क्या सरकार चुनाव से पहले पार्टी द्वारा घोषणापत्र में किए गए वादों को पूरा कर रही है।'' परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में स्पष्ट किया कि सुरजेवाला ने न तो किसी अधिकारी को बैठक के लिए बुलाया है और न ही उन्हें कोई निर्देश दिया है, उनका प्रशासन में कोई हस्तक्षेप नहीं है। उन्होंने कहा, ''भाजपा और जद(एस) जानबूझकर अनावश्यक आरोप लगा रहे हैं और इसमें कोई सच्चाई नहीं है।'' सुरजेवाला पर राज्य सरकार के कुछ अधिकारियों के साथ बैठकें करने के आरोप लगाए गए हैं, लेकिन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने इन आरोपों का खंडन किया है।

एक सवाल के जवाब में परमेश्वर ने कहा कि सुरजेवाला का विधायकों और मंत्रियों के साथ बैठकें करना कांग्रेस पार्टी का आंतरिक मामला है। उन्होंने कहा, ''भाजपा का इससे क्या लेना-देना है? क्या उनके पार्टी महासचिव राज्य का दौरा नहीं करते और भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें नहीं करते? इसी तरह, हमारे महासचिव भी आते हैं। हमारी पार्टी को यह देखना होगा कि हम जनता से किए गए वादे पूरे कर रहे हैं या नहीं।''

अवलोकन

रविवार को बेंगलूरु के कब्बन पार्क में बागवानी विभाग द्वारा शुरू किए गए विशेष निर्देशित वॉक का अवलोकन मुख्य सचिव शालिनी रजनीश ने किया।

तमिनाडु में लगाई जाएंगी चोल सम्राट राजराजा चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम की भव्य प्रतिमाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगईकोंडा चोलपुरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में रविवार को प्रतिष्ठित चोल सम्राट राजराजा चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल प्रथम की भव्य प्रतिमाओं का निर्माण कराने की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित आदि तिरुवथिरई महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि ये प्रतिमाएं भारत की ऐतिहासिक चेतना के आधुनिक स्तंभ को प्रतिबिंबित करेंगी। यह उत्सव राजेंद्र चोल के दक्षिण पूर्व एशिया के समुद्री अभियान के 1,000 वर्ष पूरे होने और चोल वास्तुकला के शानदार उदाहरण गंगईकोंडा चोलपुरम मंदिर के निर्माण की शुरुआत का भी स्मरण कराता है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''चोल काल में भारत ने जो आर्थिक और सैन्य ऊंचाइयां हासिल कीं, वे आज भी हमें प्रेरित करती हैं। राजराजा चोल ने एक शक्तिशाली नौसेना बनाई, जिसे राजेंद्र चोल ने और मजबूत किया।'' प्रख्यात तमिल राजाओं को यह सम्मान मोदी की कई तमिल-केंद्रित पहलों के बाद दिया गया है, जिनमें 'काशी तमिल संगमम' भी शामिल है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में 2019 में मोदी ने तमिल कवि कनियन पूनकुंदरनार का उल्लेख किया था और उनकी लोकप्रिय 'यादुम ऊरे' कविता का जिक्र किया था, जो एकता को रेखांकित करती है। यहां बृहदेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद मोदी ने राजेंद्र चोल प्रथम के सम्मान में एक विशेष सिक्का जारी किया। वैदिक और शैव थिरुमुराई मंत्रोच्चार के बीच मोदी ने भगवान शिव के मंदिर में पूजा अर्चना की। प्रधानमंत्री के आगमन पर मंदिर के पुजारियों ने पारंपरिक मंदिर सम्मान पूर्ण कुंभम के साथ उनका स्वागत किया। मोदी ने कहा, हमारी शैव परंपरा ने भारत की सांस्कृतिक पहचान को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चोल सम्राट इस विरासत के प्रमुख निर्माता थे। आज भी, तमिलनाडु उन सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक है, जहां यह जीवंत परंपरा फल-फूल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, राजराजा चोल और राजेंद्र चोल की विरासत भारत की पहचान और गौरव का पर्याय है। उन्होंने कहा कि चोल साम्राज्य का इतिहास और विरासत भारत की वास्तविक क्षमता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इतिहासकार चोल काल को भारत के स्वर्णिम युगों में से एक मानते हैं, जो अपनी सैन्य शक्ति के लिए जाना जाता है। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा चोल शैव धर्म और वास्तुकला पर आयोजित एक प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

धनखड़ के इस्तीफे का कारण नहीं पता : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयपुरा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि उन्हें जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के वास्तविक कारण के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि धनखड़ को बताना होगा कि वास्तव में क्या हुआ था, क्योंकि मामला उनके और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच का है।

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धनखड़ ने हमेशा सरकार का पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि जब भी विपक्ष ने मुद्दे उठाने की कोशिश की, चाहे वह किसानों या गरीबों से संबंधित हो या विदेश नीति से जुड़ा हो, उन्होंने कभी भी विपक्ष को ऐसा करने की अनुमति नहीं दी।

यह सवाल पूछे जाने पर कि क्या धनखड़ को किसानों के पक्ष में बोलने के कारण इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा, खरगे ने कहा, मुझे ये सब जानकारी नहीं है। वह (धनखड़) हमेशा सरकार के पक्ष में रहे। उन्हें बताना चाहिए कि क्या हुआ था।

खरगे ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''जब हमने किसानों, गरीबों, अंतरराष्ट्रीय मुद्दों या विदेश नीति से संबंधित कई मुद्दे उठाए तो उन्होंने (राज्यसभा में सभापति के तौर पर) हमें कभी मौका नहीं दिया।''

उन्होंने कहा, ''जब हमने गरीबों, महिलाओं, दलितों और वंचितों पर अत्याचार तथा हिंदू-मुस्लिम टकराव जैसे मुद्दों पर नोटिस देकर मुद्दे उठाने की कोशिश की, तो उन्होंने हमें मौका नहीं दिया।

यह (धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफे का कारण) उनके और मोदी के बीच का मामला है। हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।'' धनखड़ ने 21 जुलाई की शाम अचानक चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज हो गईं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने त्यागपत्र में धनखड़ ने कहा कि वह स्वास्थ्य देखभाल को ''प्राथमिकता देने'' के लिए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष को बदलने के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में खरगे ने कहा, ''ये सारी बातें अभी नहीं कही जा सकतीं।

बाद में बोलेंगे।'' वर्तमान में, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार विस्तारित कार्यकाल के लिए कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष पद पर हैं। राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर उन्हें बदलने की आवाज उठ रही है, क्योंकि वह दो प्रमुख पदों पर हैं।

ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि चीनी हथियार नाकाम रहे, भारत का रक्षा भंडार बढ़ा : त्रिवेदी

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दावा किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाया गया, लेकिन पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किये गये चीनी हथियार नाकाम रहे। उन्होंने दावा किया कि मई में आतंकवाद निरोधक अभियान के बाद भारत की रक्षा क्षमता में जबरदस्त वृद्धि हुई, जबकि चीन की रक्षा क्षमता में गिरावट आई। त्रिवेदी ने शनिवार को वीआईटी चेन्नई परिसर में तमिलनाडु उच्च शिक्षा शिक्षक संघ के तत्वावधान में आयोजित विकसित भारत का रोड मैप - ''एक बहुविषयक दृष्टिकोण'' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के बाद कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने एक अन्य देश, चीन को भी प्रभावित किया, क्योंकि वास्तविक युद्ध में चीनी हथियारों का इस्तेमाल विफल साबित हुआ है। उन्होंने कहा, 'एविक सिस्टम्स चेंगदू' द्वारा विनिर्माण किये जाने वाले जेएफ-17 विमान और पीएल-15 विमान, जिनका इस्तेमाल पाकिस्तान द्वारा किया गया था, के रक्षा भंडार में नौ प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई। इसके विपरीत, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स और गार्डन रीच शिपबिल्डर समेत भारत के रक्षा भंडार में तेजी से वृद्धि हुई, क्योंकि ऑपरेशन में इस्तेमाल किए गए हथियार स्वदेशी रूप से निर्मित थे।

बाल तस्करी रैकेट का भंडाफोड़, 2 बच्चों को बचाया, 3 महिलाएं भी हिरासत में

चेन्नई। यहां के पुझल इलाके में पुलिस ने संदिग्ध बाल तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस ऑपरेशन में दो बच्चों (जिनमें दो साल की बच्ची शामिल है) को बचाया गया और तीन महिलाओं को हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई स्थानीय पुलिस की सतर्कता और एक नागरिक की सूझबूझ के कारण संभव हो पाई है। मामला तब सामने आया जब पुझल के रहने वाले कार्तिक ने पुलिस को सूचना दी कि अज्ञात महिला ने उन्हें एक नाबालिग लड़के को 12 लाख रुपये में बेचने का प्रस्ताव दिया। इस चौंकाने वाली जानकारी से स्तब्ध कार्तिक ने तुरंत पुझल पुलिस से संपर्क किया। इंस्पेक्टर रजनीकांत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एक गुप्त ऑपरेशन शुरू किया और मामला दर्ज किया।

पुलिस के निर्देश पर कार्तिक ने महिला के साथ बातचीत जारी रखी और सौदे को अंतिम रूप दिया। महिला ने बच्चे की मां के लिए 10 लाख रुपये और अपने कमीशन के रूप में 2 लाख रुपये मांगे। उसने पुझल में एक तय स्थान पर बच्चे को सौंपने का वादा किया। जैसे ही महिला बच्चे के साथ टू-व्हीलर पर उस स्थान पर पहुंची, वहां पहले से मौजूद पुलिस ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया और बच्चे को सुरक्षित बचा लिया। दोनों को पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में महिला ने दावा किया कि बच्चा उसकी दोस्त का है और वह केवल सौदे में मदद कर रही थी। उसकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने अंबत्तूर के पास एक घर का पता लगाया, जहां से दो साल की बच्ची को भी बचाया गया; कथित तौर पर उसे बेचने की तैयारी थी। इस मामले में दो अन्य महिलाओं को भी हिरासत में लिया गया। जांच में खुलासा हुआ कि एक महिला (जो अपने पति से अलग हो चुकी थी और आर्थिक तंगी से जूझ रही थी) ने अपने ही बच्चे को बेचने की योजना बनाई थी। अन्य दो महिलाएं इस सौदे को पूरा करने में उसकी मदद कर रही थीं।

तीज महोत्सव की धूम : लोक संस्कृति और परंपराओं का अद्भुत संगम है क्राफ्ट मेला : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने तीज महोत्सव - 2025 के अवसर पर राजधानी जयपुर स्थित पोंड्रिक पार्क, तालकटोरा में क्राफ्ट एंड फूड मेले का रविवार को शुभारम्भ किया। दीया कुमारी के साथ जयपुर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक बालमुकुंद आचार्य एवं कार्यक्रम में पधारे सभी लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आकशवाणी के द्वारा प्रत्येक महीने के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण भी सुना। दीया कुमारी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

दीया कुमारी ने तीज पर प्रदेश की महिला शक्ति को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह त्यौहार महिलाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। पूरे राज्य में तीज का त्यौहार बहुत धूम धाम से मनाया जाता है। इस बार तीज का त्यौहार अधिक भव्यता से मनाया जा रहा है। जिसमें तीज माता की सवारी, महिलाओं के लिए पोंड्रिक पार्क में क्राफ्ट एंड फूड मेले का आयोजन, छोटी चौपड़ पर तीज माता की महाआरती भी बड़े आकर्षण हैं।दीया कुमारी ने बताया कि इस बार तीज महोत्सव में महा आरती का आयोजन पहली बार किया जा रहा है, जिसमें राज्यपाल और मुख्यमंत्री की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जयपुर परकोटा के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।

दीया कुमारी ने क्राफ्ट मेले में कहा कि इस रंग-बिरंगे आयोजन में राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोकनृत्य, व्यंजन और हस्तशिल्प की झलक देखने को मिल रही है। यह आयोजन राजस्थान की संस्कृति, लोककलाओं और महिला सशक्तिकरण को समर्पित है। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राजस्थान के गढ़, किलों का जिक्र किये जाने को हम सब के लिए गर्व और गौरव की बात बताया। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने के क्राफ्ट बाजार में हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, लोकनृत्य, मेहंदी व झूले की सभी स्टॉल्स का अवलोकन किया और रविवार तथा सोमवार को चलने वाले इस दो दिवसीय महिला क्राफ्ट मेले में महिलाओं की भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उमंग-उत्साह और परंपरा के भव्य आयोजन तीज महोत्सव मेले में मेहन्दी, खेल, स्वादिष्ट व्यंजन, अनूठे उत्पाद, झूले, मधुर गीत, पारम्परिक नृत्य, लालटेन महोत्सव आदि का प्रदर्शन हम सभी को हमारी समृद्ध विरासत से जोड़ता है।

दीया कुमारी ने इस अवसर पर खुद भी मेहंदी लगवाई और घेवर का स्वाद लेते हुए लोक परंपराओं से जुड़ाव का संदेश दिया। उन्होंने कहा तीज का त्योहार महिलाओं की इस मेहंदी की खुशबू की तरह महकता रहे। राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित तीज महोत्सव में प्रमुख शासन सचिव पर्यटन कला एवं संस्कृति राजेश यादव एवं पर्यटन आयुक्त श्रीमती रुक्मणि रियाड़ एवं अन्य कार्मिक, आम नागरिक, बड़ी संख्या में महिलाएं तथा देशी विदेशी पर्यटक, मीडिया बंधु, पत्रकार गण एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उपस्थित रहे।

झालावाड़ घटना की जांच के बाद सुनिश्चित होगी कार्रवाई : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने झालावाड़ जिले में एक सरकारी स्कूल की छत गिरने की घटना पर गहरी संवेदना प्रकट करते हुए कहा है कि घटना की जांच के बाद निश्चित रूप से कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। शेखावत रविवार को जोधपुर हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सरकार ने सभी सरकारी विद्यालयों का ऑडिट करने का निर्देश दिया है, जिससे निकट भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह टाला जा सकने वाला हादसा था। जो हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन इससे सबक लेना जरूरी है। हम ऐसे सारे विद्यालयों, सार्वजनिक भवनों का आकलन और ऑडिट करें, जिससे भविष्य में ऐसा हादसा ना हो।

प्रदेश सरकार ऐसे हादसों को लेकर गंभीर है और भविष्य में सुरक्षा हर हाल में सुनिश्चित की जाएगी। विपक्ष द्वारा शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का इस्तीफा मांगे जाने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि इस्तीफे की मांग करना या देना, राजनीति से प्रेरित बातें हैं। जरूरत इस बात की है कि इससे सबक लेते हुए आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जाए। राहुल गांधी को अंबेडकर की उपाधि देने संबंधी कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी पर उन्होंने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि अंबेडकर बनने के लिए सिर्फ उपाधि देना काफी नहीं है। इसके लिए गहन अध्ययन, खुली सोच और समाज के लिए गहरा समर्पण चाहिए। अंबेडकर बनने के लिए जीवन भर तपस्या करनी पड़ती है। बहुत बड़ी सोच रखते हुए गहन अध्ययन करने की जरूरत पड़ती है।

एक अन्य सवाल के जवाब में शेखावत ने कहा कि एनडीए एक मजबूत गठबंधन है और पूरी तरह एकजुट है। बिहार में आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में गठबंधन विजयी होगा। बिहार में युवती के साथ एंबुलेंस में हुई दुष्कर्म की घटना पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि अपराध की कोई सीमा नहीं होती। यह सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए, जो लंबे समय तक सत्ता में रहे और जिनके शासन में अपराधियों को हीरो बना दिया गया।

टीबी रोगियों का जीवन संवारने के लिए चिकित्साकर्मी स्वयं बने निक्षय मित्र : गजेन्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग रोगियों की पीड़ा को समझकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुगम बनाने की दिशा में लगातार नवाचार एवं बेस्ट प्रेक्टिसेज अपना रहा है। बेस्ट प्रेक्टिसेज की कड़ी में अब चिकित्सा विभाग के कार्मिकों ने जन सरोकार की तरफ कदम बढ़ाते हुए स्वयं निक्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों का जीवन संवारने का बीड़ा उठाया है। इसके तहत विभाग के कार्मिकों की ओर से 27 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक पूरे प्रदेश में निक्षय पोषण किट वितरण अभियान चलाया जा रहा है। चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने शनिवार को बीकानेर में इस मानवीय पहल का शुभारम्भ किया।

उन्होंने कहा कि चिकित्सकर्मियों की यह पहल मानवता की सेवा में अनुपम योगदान है। इससे समाज को प्रेरणा मिलेगी। निक्षय मित्र बनकर चिकित्सा कर्मियों ने नजीर पेश की है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य टीबी रोगियों को जनसहयोग से पोषण किट उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य को मजबूती देना एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को सशक्त बनाना है। प्रदेश के सभी जिलों में भी यह अभियान समान रूप से आयोजित किया जा रहा है।

ब्लॉक और ग्राम पंचायत के चिकित्साकर्मी भी निक्षय मित्र बनेंगे। चिकित्सा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी स्वयं निक्षय मित्र बनकर टीबी मरीजों को गोद ले रहे हैं और पोषण किट, सामाजिक सहयोग एवं मानसिक समर्थन प्रदान कर रहे हैं, जिससे उनका आत्मबल बढ़े और उपचार की प्रक्रिया प्रभावशाली बन सके। प्रमुख शासन सचिव ने रविवार को अजमेर जिले में आयोजित कार्यक्रम में स्वयं निक्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों को पोषण किट वितरित किये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत यह प्रयास टीबी रोगियों को जनभागीदारी द्वारा पोषण एवं सामाजिक समर्थन प्रदान करते हुए सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है।

राज्य के सभी जिलों में रविवार को चिकित्सा विभाग के 3822 अधिकारी और कार्मिकों द्वारा निक्षय मित्र बन कर 5112 टीबी रोगियों को पौष्टिक आहार किट उपलब्ध कराये गए। जयपुर जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल डिस्पेंसरी, सी-स्कीम में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक (जन स्वास्थ्य) डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने किया। डॉ. शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने टीबी रोगियों को निक्षय पोषण किट वितरित कर इस विशेष अभियान की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर अतिरिक्त निदेशक डॉ. ओपी शर्मा, संयुक्त निदेशक डॉ अजय चौधरी, राज्य क्षय अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम सोनी, राज्य नोडल अधिकारी टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान डॉ. एस.एन. धौलपुरिया, संयुक्त निदेशक जयपुर जोन डॉ. यदुराज सिंह, सीएमएचओ डॉ. रवि शेखावत एवं डॉ. मनीष मित्तल सहित चिकित्सा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण एवं चिकित्सा कर्मी उपस्थित रहे।

पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाने के लिए एक पेड़ अपनी मां के नाम अवश्य लगाएं : राठौड़

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वृक्षारोपण को केवल पर्यावरण का संरक्षण नहीं बल्कि संस्कृति और संवेदनशीलता का प्रतीक बताते हुए अपील की है कि पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाने के लिए आगे आकर कम से कम एक पेड़ अपनी मां के नाम अवश्य लगाएं। राठौड़ रविवार को हरियाली तीज पर हरियालो राजस्थान और एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जयपुर के मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में वृक्षारोपण कर यह अपील की। इस अवसर पर श 108 पौधे लगाए गए तथा वृक्षों के साथ पौध रोपण करने वालों की नाम पट्टीका भी लगाई गई।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पर्यावरण सरंक्षण की दिशा में शुरू किया गया एक पेड़ मां के नाम अभियान ऐतिहासिक कदम है उन्होंने कहा वृक्ष हमें न केवल प्राणवायु प्रदान करते हैं बल्कि यह हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक अमूल्य धरोहर हैं। हर किसी को वृक्षारोपण करना चाहिए, विशेष रूप से ऐसे अवसरों पर जब प्रकृति और संस्कृति का संगम होता है। पेड़ लगाने वाला उसके संरक्षक के तौर पर कार्य करें तो आने वाले समय में हरित राजस्थान का संकल्प पुरा होता नजर आएगा। इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, भाजपा प्रदेश मीडिया ङ्कसंयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, समाजसेवी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों के साथ महिलाओं ने भाग लिया और वृक्षारोपण किया।

समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री तथा चूरू जिला प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत ने शनिवार को चूरू जिला ङ्कपरिषद कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने राज्य बजट घोषणाओं, विकास परियोजनाओं, व्यक्तिगत लाभ की योजनाओं और कुछ समय पूर्व आयोजित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान और पं. दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल शिविर की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को दिशानिर्देश जारी किए। बैठक में चूरू विधायक हरलाल सहारण, पर्यटन आयुक्त एवं जिला प्रभारी सचिव श्रीमती रूक्मणि रियार, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा भी मौजूद रहे।

गहलोत ने अधिकारियों से विभागवार योजनाओं की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व की प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं प्रदेश की दिशा और दशा बदलने की क्षमता रखती हैं। हम राजस्थान को सम्पूर्ण देश में अग्रणी राजस्थान बनाने की दिशा में सतत प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों की सक्रिय भूमिका से ही योजनाओं व नीतियों का सही क्रियान्वयन संभव है।

उन्होंने कहा कि गिव अप अभियान में अपात्र अपना नाम स्वेच्छा से हटा लें। इससे उन पात्रों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल सकेगा, जिन्हें अभी तक योजना का लाभ नहीं मिला है।बैठक में एफआरटी टीम की शिकायत मिलने पर गहलोत ने जेवीवीएनएल अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिए कि शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित संवेदक को नोटिस आदि की कार्यवाही करें तथा समस्याओं का निस्तारण करें। उन्होंने सानिवि, वन विभाग, पीएचईडी सहित अन्य विभागों की स्थानीय स्तर पर प्राप्त हो रही शिकायतों के संदर्भ में समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने पीएम कुसुम योजना, आरडीएसएस योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन, कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण एवं शहरी), स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.0, अटल ज्ञान केंद्र एवं शिक्षित राजस्थान अभियान, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, अटल प्रगति पथ, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी एवं ग्रामीण), मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, मिशन हरियालो राजस्थान, जल जीवन मिशन और अमृत योजना, पंच गौरव योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना, नमोड्रोन दीदी, सोलर दीदी, लखपति दीदी, बैंक सखी, कृषि सखी, पशु सखी आदि योजनाओं पर विस्तृत चर्चा कर अधिकारियों को समुचिङ्कत निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं का अधिकतम प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें ताकि कोई पात्र व्यक्ति ङ्कलाभ से वंचित न रहे। विधायक हरलाल सहारण ने क्षेत्रीय समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अधिकारियों को समुचित निस्तारण की बात कही। पर्यटन आयुक्त व प्रभारी सचिव रूक्मणि रियार ने कहा कि सभी अधिकारी सरकार की योजनाओं की समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करें। प्रदेश सरकार की प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की मंशा को साकार करने में फील्ड स्तरीय अधिकारियों की भूमिका अहम है। सभी अधिकारी योजनाओं की समुचित मॉनीटरिंग करते हुए जबावदेह प्रशासन की अवधारणा को सुदृढ़ करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पंच गौरव कार्यक्रम से स्थानीय उत्पादों को मिल रही नई पहचान : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 124वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के भारत में आज विज्ञान एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी का जिक्र करते हुए कहा कि पूरा देश इससे गौरवान्वित है। उन्होंने कहा कि हमारा 'इन्स्पायर-मानक' अभियान बच्चों के इनोवेशन को बढ़ावा देने का अभियान है। इसमें हर स्कूल से पांच बच्चों का चयन किया जाता है। हर बच्चा एक नया आइडिया लेकर आता है। अब तक इससे लाखों बच्चे जुड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में स्पेस स्टार्ट-अप्स भी तेजी से बढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'विकास भी-विरासत भी' के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने प्रदेश के स्थानीय उत्पादों को लोकल से लेकर ग्लोबल तक नई पहचान दिलाने के लिए पंच गौरव कार्यक्रम की पहल की है, जिसके माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक जिले में एक उपज, एक वानस्पतिक प्रजाति, एक उत्पाद, एक पर्यटन स्थल एवं एक खेल को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। हमारी सरकार प्रदेश की समृद्ध-सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात कार्यक्रम में राजस्थान के ऐतिहासिक किलों का उल्लेख करना प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

मोदी ने कहा कि यूनेस्को ने 12 मराठा किलों को वर्ल्ड हैरिटेज साईट्स के रूप में मान्यता दी है। इनमें से ग्यारह किले महाराष्ट्र में और एक किला तमिलनाडु में है। हर किले से इतिहास का एक-एक पन्ना जुड़ा है। हर पत्थर, एक ऐतिहासिक घटना का गवाह है। सल्हेर का किला वो है, जहां मुगलों की हार

हुई। शिवनेरी, जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का जन्म हुआ, ऐसा किला है जिसे दुश्मन भेद नहीं सके। उन्होंने कहा कि देश के और हिस्सों में भी ऐसे ही अद्भुत किले हैं, जिन्होंने आक्रमण झेले लेकिन आत्मसम्मान को कभी झुकने नहीं दिया। राजस्थान में चित्तौड़गढ़, कुंभलगढ़, रणथंभौर, आमेर और जैसलमेर के किले विश्व प्रसिद्ध हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 के विकसित भारत का रास्ता आत्मनिर्भरता से होकर गुजरता है और 'आत्मनिर्भर भारत' का सबसे बड़ा आधार है, 'वोकल फॉर लोकल'। यह हमारा संकल्प होना चाहिए कि जो चीजें भारत में बनी हों, जिसे बनाने में किसी भारतीय का पसीना बहा हो, वही खरीदें और वही बेचें । उन्होंने कहा कि 7 अगस्त, 1905 को एक और क्रांति की शुरुआत हुई थी। स्वदेशी आंदोलन ने स्थानीय उत्पादों और खासकर हैण्डलूम को एक नई ऊर्जा दी थी। इसकी स्मृति में देश हर साल 7 अगस्त को 'नेशनल हैण्डलूम डे' मनाता है। इस साल 7 अगस्त को 'नेशनल हैण्डलूम डे' के 10 साल पूरे हो रहे हैं। आजादी की लड़ाई के समय जैसे खादी ने आजादी के आंदोलन को नई ताकत दी थी, वैसे ही आज जब देश, विकसित भारत बनने के लिए कदम बढ़ा रहा है तो टैक्सटाइल सेक्टर, देश की ताकत बन रहा है। आज भारत में 3000 से ज्यादा टैक्सटाइल स्टार्ट-अप्स सक्रिय हैं।

मोदी ने कहा कि हमारे त्योहार और परम्पराएं हमारी संस्कृति का बहुत बड़ा आधार है और अपने वर्तमान और इतिहास को डॉक्यूमेंट करते रहना हमारी संस्कृति की जीवंतता का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। भारत सरकार ने इस वर्ष के बजट में 'ज्ञान भारतम मिशन' की ऐतिहासिक पहल की है।

हरियाली तीज, भावंरी ग्राम पंचायत में जिला स्तरीय वन महोत्सव का हुआ आयोजन

जयपुर। मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो राजस्थान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 76 वें जिला स्तरीय वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन हरियाली तीज के अवसर पर जिला प्रभारी मंत्री झाबर सिंह खर्रा की मौजूदगी में पाली जिले के ग्राम भांवरी में एक पेड़ मां के नाम आयोजित हुआ, जिसमें दो हजार पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री खर्रा ने जिला वृक्ष नीम का पेड़ लगाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। प्रभारी मंत्री व प्रभारी सचिव अश्विनी भगत, जिला कलेक्टर एल एन मंत्री, पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना, सीईओ मुकेश चौधरी, प्रधान मोहिनी देवी द्वारा पौधा रोपण किया।

जिला प्रभारी मंत्री ने कार्यक्रम में ग्रामीणों व बच्चों को संबोधित करते हुए वृक्षारोपण की महत्ता बताई। उन्होंने कहा कि हमें प्रण लेकर एक-एक पेड़ माता-पिता के नाम से लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने पिछले अभियान की तुलनात्मक आकलन करते हुए गत वर्ष में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत लगाए गए लगभग 70 प्रतिशत पौधे वृक्ष के रूप में आगे बढ़ने के लिए प्रगति पर है।

उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों से अपने माता-पिता को पौधे लगाने व वृक्षों का महत्व बताने को कहते हुए उन्होंने कहा कि पौधे लगाने से पर्यावरण की व्याप्त प्रदूषण, तापमान को कम करने में सहायक होते है व 53 डिग्री से अधिक तापमान पर वैज्ञानिक मतानुसार

शरीर के मस्तिष्क की कोशिकाओं का पिघलना शुरू हो जाता है तथा उन्होंने बच्चों को अपनी भावी आगामी पीढ़ी को संतुलित वातावरण प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण कर उनकी सार-सम्भाल के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम पश्चात जिला प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री की मन की बात प्रसारण को सुना। इसके पश्चात स्वागत कार्यक्रम के तहत प्रभारी मंत्री प्रभारी सचिव, जिला कलेक्टर का स्थानीय विद्यालय की बालिकाओं द्वारा तिलक लगा कर स्वागत किया गया वन विभाग पाली द्वारा साफ पहना कर तुलसी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला स्तरीय अधिकारी, गणमान्य नागरिक, ग्रामीण व विद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर कानपुर मंडल के विधायकों के साथ एक विशेष संवाद बैठक की। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई मंडलवार संवाद शृंखला की कड़ी में इस बार कानपुर मंडल के छह जनपदों (कानपुर नगर, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, कन्नौज, इटावा और औरैया) के जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया था। मुख्यमंत्री ने बैठक के दौरान अपने संबोधन में कहा कि जनप्रतिनिधि जनता और शासन के

बीच की सबसे भरोसेमंद कड़ी होते हैं। उनके विचार और सुझाव केवल संवाद का माध्यम नहीं हैं, बल्कि वे जन आकांक्षाओं का स्वरूप होते हैं, जिन्हें योजनाओं की संरचना और क्रियान्वयन में सक्रिय रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए।

योगी ने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे जनप्रतिनिधियों के अनुभवों और क्षेत्रीय जानकारी को केवल दस्तावेजी स्तर पर न लें, बल्कि उन्हें नीति निर्धारण का सजीव आधार बनाएं। मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिया कि संबंधित जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए और समयबद्ध ढंग से कार्यों की शुरुआत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इन परियोजनाओं को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया। योगी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राथमिकता प्राप्त योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए, उनका पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और सतत निगरानी के माध्यम से समयबद्ध पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री ने नगर विकास विभाग को निर्देश दिया कि विभाग द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों से संबंधित शिलापट्ट पर स्थानीय जनप्रतिनिधि के नाम अंकित किए जाने चाहिए। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने संवाद की शुरुआत प्रत्येक जन प्रतिनिधि से सीधे संवाद करते हुए की।

मोदी ने संथाली साड़ी के पुनरुद्धार के लिए आदिवासी महिलाओं की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संथाली साड़ियों के पुनरुद्धार के लिए ओडिशा के मयूरभंज जिले की आदिवासी महिलाओं की रविवार को प्रशंसा की। मोदी ने पर्यावरण की रक्षा और जंगल की आग को रोकने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करने के वास्ते क्योंझर की प्रमिला प्रधान की भी सराहना की।

प्रधानमंत्री ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि 650 से अधिक आदिवासी महिलाओं ने मयूरभंज में संथाली साड़ी को पुनर्जीवित किया है।

उन्होंने कहा कि अब ये महिलाएं हर महीने हजारों रुपए कमा रही हैं और वे सिर्फ कपड़ा ही नहीं बना रही हैं, बल्कि अपनी पहचान भी गढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री ने क्योंझर जिले की प्रमिला प्रधान द्वारा पर्यावरण संरक्षण और वनों की आग को रोकने के लिए संकीर्तन के माध्यम से जागरूकता पैदा करने के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, भारत की विविधता की सबसे खूबसूरत झलक हमारे लोकगीतों और परंपराओं में मिलती है और इसी का हिस्सा होता हैं हमारे भजन और हमारे कीर्तन। लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि कीर्तन के जरिये वन की आग के प्रति लोगों को जागरूक किया जाए? शायद आपको विश्वास न हो, लेकिन ओडिशा के क्योंझर जिले में एक अद्भुत कार्य हो रहा है।

मोदी ने कहा, यहां राधाकृष्ण संकीर्तन मंडली नाम की एक टोली है। भक्ति के साथ-साथ ये टोली आज पर्यावरण संरक्षण का भी मंत्र जप रही है। इस पहल की प्रेरणा हैंप्रमिला प्रधान जी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जंगल और पर्यावरण की रक्षा के लिए उन्होंने (प्रमिला प्रधान ने) पारंपरिक गीतों में नए बोल जोड़े, नए संदेश जोड़े। उन्होंने कहा कि उनकी टोली गांव-गांव गई और गीतों के माध्यम से लोगों को समझाया कि जंगल में लगने वाली आग से कितना नुकसान होता है। मोदी ने कहा, ये उदाहरण हमें याद दिलाता है कि हमारी लोक परंपराएं कोई बीते युग की चीज नहीं हैं, इनमें आज भी समाज को दिशा देने की ताकत है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने यहां वनवासी कल्याण आश्रम के बच्चों के साथ प्रधानमंत्री मोदी के रेडियो कार्यक्रम की 124वीं कड़ी सुनी। माझी ने बच्चों को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के उद्देश्य और प्रेरक पहलुओं के बारे में भी बताया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान के मुताबिक, माझी ने बच्चों को अच्छी पढ़ाई करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी।

कोलकाताः शीर्ष दुर्गा पूजा पंडाल 'ऑपरेशन सिंदूर' को प्रदर्शित करेंगे

कोलकाता/भाषा। कोलकाता की सबसे प्रमुख दुर्गा पूजा समितियों में से एक 'संतोष मित्रा स्क्वायर, इस साल अपने पंडाल में भारत की सशस्त्र सेनाओं की वीरता को प्रदर्शित करेगी, जिसका विषय 'ऑपरेशन सिंदूर' पर आधारित होगी।

पूजा समिति के प्रवक्ता सजल घोष ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पंडाल में युद्ध के दृश्यों का रूपांतरण किया जाएगा जो भारतीय सेना के गौरव को उजागर करेंगे। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य विस्तृत मॉडल, नाटकीय प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि प्रभाव और 'कदम कदम बढ़ाए जा, मेरे वतन' और 'वंदे मातरम' जैसे देशभक्ति गीतों के माध्यम से वीरता और बलिदान के क्षणों को प्रदर्शित करना है। भाजपा नेता घोष ने कहा कि इस विषय का उद्देश्य राष्ट्रीय गौरव की भावना जगाना और राष्ट्र की रक्षा करने वालों को श्रद्धांजलि देना है। एक अन्य प्रमुख पूजा समिति 'भवानीपुर 75 पल्ली' ने 19वीं सदी की रंगमंच की दिग्गज बिनोदिनी दासी (नटी बिनोदिनी के रूप में लोकप्रिय) को सम्मानित करने का निर्णय लिया है जो मंच पर प्रस्तुति देने वालीं पहली बंगाली महिला थीं। पूजा समिति के सचिव सुबीर दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बिनोदिनी दासी उस युग का प्रतिनिधित्व करती थीं जब पुरुष कलाकार रंगमंच पर महिलाओं की भूमिकाएं निभाते थे। वह पहली महिला थीं जिन्होंने मंच पर महिला पात्रों का अभिनय किया, जो पितृसत्तात्मक समाज में एक ऐतिहासिक क्षण था। इस वर्ष दुर्गा पूजा 28 सितंबर से दो अक्टूबर तक मनाई जाएगी।

बिहार में एसआईआर के तहत 7.24 करोड़ मतदाताओं ने गणना फॉर्म जमा कराएः निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि बिहार की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के एक महीने तक चले पहले चरण के समापन के बाद 7.24 करोड़ या 91.69 प्रतिशत मतदाताओं से गणना फार्म प्राप्त हो गए हैं।

आयोग ने बताया कि 36 लाख लोग या तो अपने पिछले पते से स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं या फिर उनका कोई पता ही नहीं है। इसने कहा कि बिहार के सात लाख मतदाताओं का कई जगहों पर नाम दर्ज है।

गणना प्रपत्र वितरित करने और वापस प्राप्त करने से संबंधित एसआईआर का पहला चरण शुक्रवार (25 जुलाई) को समाप्त हो गया।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ) को ये मतदाता नहीं मिले और न ही उन्हें गणना फॉर्म वापस मिले, क्योंकि या तो वे अन्य राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता बन गए हैं, या फिर वहां मौजूद नहीं थे, या उन्होंने 25 जुलाई तक फॉर्म जमा नहीं किए थे।

इसने बताया कि दूसरा कारण यह था कि वे किसी न किसी कारण से स्वयं को मतदाता के रूप में पंजीकृत कराने के इच्छुक नहीं थे।

आयोग ने कहा कि इन मतदाताओं की वास्तविक स्थिति एक अगस्त तक इन फॉर्म की जांच के बाद पता चलेगी।

संसाधन प्रबंधन 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में एक निर्णायक कारक था : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

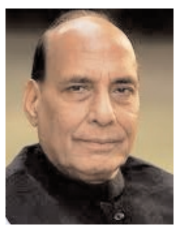

वडोदरा/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाकर भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से मई में शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में विभिन्न एजेंसियों द्वारा संसाधनों (लॉजिस्टिक) का प्रबंधन एक निर्णायक कारक था।

राजनाथ वडोदरा में रेल मंत्रालय के तहत आने वाले गति शक्ति विश्वविद्यालय के तीसरे दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों और अध्यापकों को डिजिटल माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह प्रभावी एवं चौंकाने वाली भी है। रक्षा क्षेत्र भी बदल रहा है और युद्ध के तरीकों में भी बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं। आज के दौर में युद्ध सिर्फ बंदूकों और गोलियों से नहीं, बल्कि समयबद्ध तरीके (चीजों का प्रंधन करने) से जीते जाते हैं। राजनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि संसाधनों का प्रबंधन युद्ध के मैदान में देश का भाग्य तय करता है। उन्होंने कहा कि जीत और हार जरूरी संसाधनों से तय होती है और 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पूरी दुनिया ने इसे देखा। राजनाथ ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में संसाधनों का प्रबंधन एक निर्णायक कारक था। विभिन्न एजेंसियों ने हमारे सशस्त्र बलों को जुटाने से लेकर सही समय पर सही जगह पर आवश्यक सामग्री पहुंचाने तक, जिस तरह से जरूरी संसाधनों का प्रबंधन किया, वह 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता में एक निर्णायक कारक साबित हुआ।

बीएसएफ को बांग्लादेश सीमा के लिए पांच हजार आधुनिक कैमरे और बायोमेट्रिक उपकरण मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसफ) के जवानों को 5,000 से अधिक 'बॉडी वॉर्न कैमरे' उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि ड्यूटी पर तैनात जवान अपराधियों द्वारा किए गए हमलों के अलावा अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजने के दृश्य और साक्ष्य रिकॉर्ड कर सकें।

सुरक्षा प्रतिष्ठान के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 4,096 किलोमीटर सीमा पर बल की चुनिंदा सीमा चौकियों (बीओपी) को भी बायोमेट्रिक उपकरणों से लैस किया जा रहा है ताकि वे अवैध बांग्लादेशियों के अंगुलियों के निशान और आंखों की पुतलियों की तस्वीर ले सकें और ये आंकड़े विदेशी पंजीकरण कार्यालय (एफआरओ) के साथ साझा किया जा सके। इस मोर्चे पर बीएसएफ की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए दो नीतिगत निर्णय पांच अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के मद्देनजर लिए गए।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल ही में बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा स्थिति की ''व्यापक समीक्षा'' के बाद बीएसएफ मुख्यालय के इन दो प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

संसद में चर्चा से पहले राहुल पाकिस्तान के विमर्श को दोहरा रहे हैं : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रविवार को राहुल गांधी पर पाकिस्तान का विमर्श आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पहलगाम हमले के बाद किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया जबकि सत्तारूढ़ दल का दावा है कि 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सभ्य दुनिया भारत के साथ खड़ी थी।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,''पहलगाम आतंकी हमले के बाद राहुल गांधी ने पूछा: 'किसने समर्थन किया हमें?' वे लगातार पाकिस्तान की घिसी-पिटी रट दोहराते रहते हैं कि भारत अंतरराष्ट्रीय मंच पर अकेला पड़ गया है। आइए इस झूठ को पूरी तरह उजागर करें। उन्होंने कहा, पहलगाम हमले के बाद पूरी सभ्य दुनिया भारत के साथ खड़ी थी। वॉशिंगटन से टोक्यो तक, पेरिस से कैनबरा तक, देशों ने इस कायराना हमले की एक स्वर में निंदा की और भारत के आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष को बिना किसी झिझक के समर्थन दिया। उन्होंने दावा किया कि कोई भी देश पाकिस्तान की भाषा नहीं बोलता और गांधी को छोड़कर पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। गांधी सरकार पर उसकी विदेश नीति को लेकर निशाना साधते रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने हाल ही में कहा था, एक तरफ आप (सरकार) कहते हैं कि ऑपरेशन सिंदूर जारी है और दूसरी तरफ आप कहते हैं कि जीत हासिल हो गई है। या तो जीत हासिल हो गई है या (ऑपरेशन) सिंदूर जारी है। (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप कह रहे हैं कि मैंने (ऑपरेशन)सिंदूर रोक दिया, वह यह 25 बार कह चुके हैं। इसलिए, कुछ न कुछ तो दाल में काला है।

तृणमूल ने 'बांग्ला भाषी प्रवासियों' के उत्पीड़न के खिलाफ पश्चिम बंगाल में रैलियां निकालीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी श्रमिकों के कथित उत्पीड़न के खिलाफ राज्य के विभिन्न हिस्सों में रविवार को रैलियां निकालीं।

तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने कोलकाता के भवानीपुर और सियालदह में तथा हुगली, बांकुड़ा, बीरभूम, कूचबिहार में तृणमूल कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिनपर असम, ओडिशा, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र में पुलिस द्वारा कथित तौर पर प्रवासी श्रमिकों का किए जा रहे 'उत्पीड़न और अत्याचार' की बातें लिखी थीं। तृणमूल विधायक असीम मजूमदार ने चुचुड़ा के खदीना मोड़ पर रैली का नेतृत्व किया।

मजूमदार ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में डबल इंजन सरकारें आधार कार्ड और मतदाता पहचान पत्र जैसे दस्तावेज दिखाने के बावजूद बांग्ला भाषी प्रवासियों को जानबूझकर परेशान कर रही हैं। मजूमदार ने दावा किया कि मजदूरों को शिविरों में ले जाया गया, जहां उनकी पिटाई की गई और उन पर बांग्लादेशी नागरिक होने बात कबूलने का दबाव डाला गया।

तृणमूल नेता और उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने कूचबिहार के दिनहाटा में एक अन्य मार्च का नेतृत्व किया। प्रदर्शनकारियों ने चुनावी लाभ के लिए मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं के नाम हटाने और बंगाल के भारतीय नागरिकों को हिरासत शिविरों में भेजने के भाजपा के प्रयास का विरोध करने का संकल्प लिया।

सियालदह और भवानीपुर में हजारों तृणमूल कार्यकर्ताओं ने बांग्ला वर्णमाला और पश्चिम बंगाल के बाहर भाजपा द्वारा बांग्ला भाषी लोगों पर अत्याचार नारे लिखी तख्तियों के साथ रैलियों में हिस्सा लिया।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मिली 'जान से मारने की धमकी, पुलिस ने जांच शुरू की

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सम्राट के एक समर्थक के मोबाइल फोन पर एक संदेश भेजा गया, जिसमें दावा किया गया कि उपमुख्यमंत्री की 24 घंटे के भीतर गोली मारकर हत्या कर दी जाएगी।

जब पत्रकारों ने इस मामले पर चौधरी से संपर्क किया, तो उन्होंने कहा, बिहार के लोग जानते हैं कि हम राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम बिहार में ऐसा करना जारी रखेंगे।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए पटना (मध्य) की पुलिस अधीक्षक दीक्षा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि पुलिस को इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा, लेकिन, हमने (धमकी भरे संदेश के आधार पर) जांच शुरू कर दी है... और तकनीकी साक्ष्य जुटा रहे हैं। जल्द ही मामला दर्ज किया जायेगा।

असम में 'इंडिया' की कोई ताकत नहीं, भाजपा लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के पास असम में जमीनी स्तर पर कोई ताकत नहीं होने का दावा करते हुए केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाला राजग अगले साल विधानसभा चुनावों के बाद लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाएगा। 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में असम के पूर्व मुख्यमंत्री ने असम की राजनीति में वापसी पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई और कहा कि राज्य में चुनाव के दौरान पार्टी उनसे जो भी करने को कहेगी, वह उसका पालन करेंगे।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सोनोवाल ने कहा, वे कुछ भी कर लें, लेकिन 'इंडिया' में कोई ताकत नहीं है। 'इंडिया' गठबंधन मीडिया और प्रचार के लिए तो अच्छा है, लेकिन जमीनी स्तर पर लगभग शून्य कार्यकर्ताओं के साथ उसके पास कोई ताकत नहीं बची है।

विपक्ष ने सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ 'इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस' (इंडिया) का गठन किया है। भाजपा के नेता हालांकि 'इंडिया' को अक्सर 'इंडी गठबंधन' के तौर पर संबोधित करते हैं। सोनोवाल ने दावा किया कि कांग्रेस द्वारा लोकसभा सांसद गौरव गोगोई को अपना प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बावजूद, विपक्षी दल खुद को पुनर्जीवित करने और सत्तारूढ़ गठबंधन का कोई महत्वपूर्ण प्रतिरोध करने में विफल रहेगा। उन्होंने कहा, और जनता उन पर भरोसा क्यों करेगी? उन्हें 55 साल तक शासन करने का मौका दिया गया, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

के नेतृत्व में राजग सरकार ने सिर्फ 11 साल में चमत्कार कर दिखाया है। सोनोवाल ने कहा कि सर्वांगीण विकास के साथ सभी के जीवन में बदलाव आया है और लोग इसके लिए ऋणी महसूस करते हैं।

असम में भाजपा के सत्ता में लौटने और अगली सरकार बनाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर सोनोवाल ने कहा, बेशक, हम सरकार बना रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। लोग असम में विकास और शांति के लिए भाजपा को सत्ता में देखना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री 2016 में असम के पहले भाजपा मुख्यमंत्री बने। पार्टी सोनोवाल के नेतृत्व में गठबंधन सहयोगियों असम गण परिषद और यूपीपीएल के साथ सत्ता में लौटी।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद हालांकि पार्टी ने पहली भाजपा सरकार में मंत्री रहे हिमंत विश्व शर्मा को मुख्यमंत्री चुना और सोनोवाल को केंद्र में ले जाया गया तथा मोदी सरकार में मंत्री पद दिया गया। असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के दौरान राज्य की राजनीति में लौटने की संभावना पर सोनोवाल ने कहा, यह संभावना का सवाल नहीं है। इससे किसी व्यक्ति की उत्सुकता या इच्छा का कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि यह पार्टी की इच्छा और आदेश है। पार्टी का वफादार कार्यकर्ता होने के नाते, हमें इसका पालन करना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि पार्टी है, जो तय करेगी कि विधानसभा चुनावों के दौरान कौन क्या भूमिका निभाएगा।

एसआईआर पर करे पुनर्विचार : सिंघवी

निर्वाचन आयोग को 'संस्थागत अहंकार' नहीं रखना चाहिए

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग को संस्थागत अहंकार नहीं रखना चाहिए और बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को रोकना चाहिए। भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद मनोज झा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेता नीलोत्पल बसु के साथ यहां आयोजित एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सिंघवी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही कवायद एक नागरिकता परीक्षा बन गई है और उन्होंने इसकी वैधता पर सवाल उठाया।

उन्होंने निर्वाचन आयोग से राज्य विधानसभा चुनावों से पहले यह अभ्यास कराने के अपने फैसले को वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मैं निर्वाचन आयोग से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि यह राजनीतिक हठ का मामला नहीं है। यह संस्थागत अहंकार का मामला नहीं है। कृपया इस पर पुनर्विचार करें। हर कोई आपसे आग्रह कर रहा है। सिंघवी ने राज्य चुनावों से पहले इस प्रक्रिया में जल्दबाजी करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या यह नागरिकता परीक्षण है। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विभिन्न बयानों से संकेत मिलता है कि यह नागरिकता संबंधी कार्य है। कांग्रेस नेता ने कहा, इसने बार-बार कहा है कि आधार, मतदाता फोटो पहचान पत्र या राशन कार्ड क्यों स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं।

भारतीय टेबल टेनिस को लगातार चैंपियन देने के लिए एक व्यवस्था की जरूरत : शरत कमल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है।

हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे। उन्होंने कहा, युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है... जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे। भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य

पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। शरत ने कहा, असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा। शरत के अनुसार यह निरंतरता एक व्यवस्थित योजना से आएगी जिसकी शुरुआत 11 साल की उम्र के बच्चों से होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 2036 को देखते हुए हमें उन बच्चों से शुरुआत करनी होगी जो अभी 11 या 12 साल के हैं। हम सभी इसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही एक व्यवस्थित बदलाव देखेंगे। भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष शरत ने नए खेल विधेयक की भी प्रशंसा की जिसमें खिलाड़ियों को तवज्जो देने वाला ढांचा है।

सुविचार

प्रेरणा आपको शुरुआत करवाती है, और आदत आपको आगे बढ़ाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नए भारत के निर्माण का रोडमैप

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के गंगै-कोंडचोलपुरम मंदिर में आदि तिरुवथिराई महोत्सव के दौरान अपने संबोधन से देशवासियों को उस इतिहास से अवगत कराया है, जिस पर सबको गर्व होना चाहिए। कई लोगों को तो पहली बार पता चला होगा कि चोल राजाओं का प्रभाव श्रीलंका, मालदीव और दक्षिण-पूर्व एशिया तक था। वहां के प्राचीन मंदिरों, स्मारकों, मठों और अन्य इमारतों पर इसकी स्पष्ट छाप देखी जा सकती है। चोल साम्राज्य को भारत के स्वर्णिम युगों में यूं ही शामिल नहीं किया जाता। उस दौरान भारत का वैभव बढ़ा, शक्ति भी बढ़ी। जब कभी स्वर्णिम युग की बात होती है तो कुछ इतिहासकारों ने जानबूझकर उन विदेशी आक्रांताओं का गुणगान किया, जिन्हें न तो भारतीय चिंतन एवं दर्शन परंपरा का ज्ञान था और न ही उन्होंने स्थापत्य कला के क्षेत्र में कोई उल्लेखनीय कार्य किया था। वे भारतीय वास्तुकारों, शिल्पियों और श्रमिकों की उपलब्धियों को ही अपने खाते में शामिल करते गए। आज भी कई लोग यह कहते मिल जाएंगे कि 'फलां बादशाह कितने दूरदर्शी थे, जिन्होंने ऐसी इमारतें बनवाईं, जिन्हें देखने के लिए विदेशों से लोग आते हैं!' उन्हें पता ही नहीं कि जब बादशाह ने कोई इमारत बनवाई थी तो आजकल की तरह पर्यटन की कोई अवधारणा नहीं थी और उनका मकसद अपना प्रचार करना था। इस ग़लत-फ़हमी को भी दूर करने की जरूरत है कि विदेशी आक्रांताओं के आने से पहले यहां कोई समृद्ध स्थापत्य कला नहीं थी। जो ऐसा कहते हैं, उन्होंने भारत के वे प्राचीन मंदिर देखे ही नहीं, जो पत्थरों को तराश कर बनाए गए थे। उनके स्तंभों, मंगल प्रतीकों, प्रतिमाओं को देखकर आश्चर्य होता है।

कला और अध्यात्म के प्रति हमारे पूर्वजों का महान प्रेम ही था, जो मंदिरों और दिव्य प्रतिमाओं का निर्माण करते रहे। भले ही उन पर विदेशी आक्रांताओं ने जुल्म किए, मंदिर तोड़े, लेकिन वे दोबारा उनका निर्माण करते गए। उन्होंने भिन्न आस्था के उपासना स्थलों का भी सम्मान किया। केरल से कश्मीर तक इसके प्रमाण मिल जाएंगे, लेकिन बामियान में महात्मा बुद्ध की प्रतिमाओं और ध्यान केंद्रों को बर्दाश्त नहीं किया गया। पीओके में शारदा पीठ को बर्दाश्त नहीं किया गया। खैबर पख्तूनख्वा, सिंध, बलोचिस्तान में मठों और मंदिरों को बर्दाश्त नहीं किया गया। जो मनगढ़ंत इतिहास लिखकर सिर्फ यही साबित करते रहना चाहते हैं कि हम विदेशी आक्रांताओं के हाथों पराजित होते रहे, उन्हें चोल साम्राज्य का इतिहास जरूर पढ़ना चाहिए। लोकतंत्र के साथ ब्रिटेन के मैग्नाकार्टा का जिक्र तो सभी करते हैं, लेकिन चोल साम्राज्य में कुडावोलई अमईप का जिक्र कौन करता है, जिसके जरिए लोकतांत्रिक पद्धति से चुनाव होते थे? इतिहास की किताबों में इस बात का वर्णन बहुत पढ़ने को मिलता है कि ब्रिटेन की नौसेना बहुत शक्तिशाली थी, लेकिन राजराजा चोल की नौसेना के बारे में कितने इतिहासकारों ने लिखा है, जिसे राजेंद्र चोल ने शक्ति और पराक्रम के नए शिखर तक पहुंचा दिया था? उन्होंने व्यापारिक उन्नति के महत्त्व को समझते हुए समुद्री मार्गों का विस्तार किया, जो भारतीय कला और संस्कृति के प्रचार के वाहक बने थे। राजेंद्र चोल ने समुद्र पार सैन्य अभियानों में विजय प्राप्त की थी। श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार, इंडोनेशिया, थाईलैंड तक के शासक उनके शौर्य से परिचित थे। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्य कहा है कि 'चोल साम्राज्य, नए भारत के निर्माण के लिए एक प्राचीन रोडमैप की तरह है ... यह हमें बताता है कि अगर विकसित राष्ट्र बनाना है तो एकता पर ज़ोर देना होगा ... हमें नौसेना को, हमारे सुरक्षा बलों को मजबूत बनाना होगा।' निस्संदेह शक्तिशाली भारत ही अपने स्वाभिमान की रक्षा कर सकता है। देश ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में यह दिखा दिया है।

ट्वीटर टॉक

श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला हरियाली तीज नारी शक्ति, प्रेम, त्याग और श्रद्धा का पर्व है। यह दिन अखण्ड सौभाग्य, अमर सुहाग और नारी सम्मान का प्रतीक है, जिसे सुहागिन महिलाएं माता पार्वती और शिव के पावन मिलन की स्मृति में हर्षोल्लास से मनाती हैं।

–वसुंधरा राजे

अभी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने देखा है कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो भारत उसे कैसे जवाब देता है। इस ऑपरेशन ने साफ कर दिया है कि अब भारत के दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए दुनिया में कोई ठिकाना सुरक्षित नहीं है।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

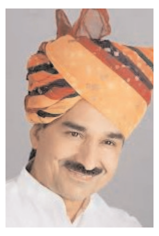

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ की दुखद घटना अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति दें। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना है।

–मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

सप्तवर्णी छटा

एक बार गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर अपने साथियों के साथ बंगाल के एक दूरदराज़ गांव में कला और संस्कृति यात्रा पर निकले हुए थे। उसी दौरान उनके दल का एक सदस्य पेट की गंभीर व्याधि से पीड़ित हो गया। तभी दल के ही एक अनुभवी सदस्य ने धैर्य रखने को कहा और कुछ समय बाद शांतिनिकेतन लौटने पर वह एक विशेष पौधे से रस निकाल लाए। उन्होंने वह रस पीड़ित को पिलाया। रोगी की स्थिति में सुधार होने लगा। रात्रि विश्राम के समय गुरुदेव ने उस अनुभवी सदस्य से उस औषधीय पौधे के बारे में जानने की इच्छा प्रकट की। अगली सुबह वे उन्हें सैर पर ले गए और एक पेड़ की ओर इशारा करके बोले, 'यही है वह पेड़।' गुरुदेव ने पहचानते हुए आश्चर्य से कहा, 'अरे! यह तो सप्तवर्णी है! मेरे पूज्य पिताजी ने यहां हर जगह इन पेड़ों के लिए माली लगाए थे।' उन्होंने गुरुदेव को सप्तवर्णी के कई औषधीय गुणों के बारे में बताया। इस घटना से प्रभावित होकर गुरुदेव ने तय किया कि इस पेड़ को सम्मान देने की परंपरा शुरू की जाए। तब से आज तक शांतिनिकेतन में दीक्षांत समारोह के अवसर पर सप्तवर्णी (बांग्ला में 'छातिम') की शाखा भेंट करने की परंपरा चली आ रही है यह श्रद्धा, ज्ञान और प्रकृति के प्रति सम्मान का प्रतीक बन गई है।

सामयिक

आखिर कब समझेंगे हम प्रकृति की मूक भाषा?

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

पेड़-पौधों की अनेक प्रजातियों के अलावा बिगड़ते पर्यावरणीय संतुलन और मौसम चक्र में आते बदलाव के कारण जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।इन प्रजातियों के लुप्त होने का सीधा असर समस्त मानव सभ्यता पर पड़ना अवश्वम्भावी है।प्रदूषित हो रहे पर्यावरण के आज जो भयावह खतरे हमारे सामने आ रहे हैं, उनसे शायद ही कोई अनभिज्ञ हो और हमें यह स्वीकार करने से भी गुरेज नहीं करना चाहिए कि इस तरह की समस्याओं के लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार हम स्वयं भी हैं।सबसे पहले यह जानना बेहद जरूरी है कि प्रकृति आखिर है क्या? प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जल, जंगल और जमीन, जिनके बगैर प्रकृति अधूरी है और यह विड़म्बना ही है प्रकृति के इन तीनों ही तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका संतुलन डगमगाने लगा है, जिसकी परिणति अक्सर भयावह प्राकृतिक आपदाओं के रूप में सामने भी आने लगी है।प्राकृतिक साधनों के अंधाधुंध दोहन और प्रकृति के साथ खिलवाड़ का ही नतीजा है कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने के कारण मनुष्यों के स्वास्थ्य पर तो प्रतिकूल प्रभाव पड़ ही रहा है, जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियां भी लुप्त हो रही हैं।पर्यावरण का संतुलन डगमगाने के चलते लोग अब तरह-तरह की भयानक बीमारियों के जाल में फंस रहे हैं, उनकी प्रजनन क्षमता पर इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है, उनकी कार्यक्षमता भी इससे प्रभावित हो रही है।लोगों की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारियों के इलाज पर ही खर्च हो जाता है।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल, वन्य जीव और वनस्पति, इन सभी का संरक्षण अत्यावश्यक है।दुनियाभर में पानी की कमी के गहराते संकट की बात हो या ग्लोबल वार्मिंग के चलते धरती के तपने की अथवा धरती से एक-एक कर वनस्पतियों या जीव-जंतुओं की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने की, इस तरह की समस्याओं के लिए केवल सरकारों का मुंह ताकते रहने से ही हमें कुछ हासिल नहीं होगा बल्कि प्रकृति संरक्षण के लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर अपना योगदान देना होगा।प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर जो छेड़छाड़ कर रहे हैं, उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है।हमारे जो पर्वतीय स्थान कुछ सालों पहले तक शांत और स्वच्छ हवा के लिए जाने जाते थे, आज वहां भी प्रदूषण तेजी से बढ़ रहा है और ठंडे इलाकों के रूप में विख्यात पहाड़ भी अब तपने लगने हैं, वहां भी जल संकट गहराने लगा है, वहां भी बाढ़ का ताण्डव देखा जाने लगा है।इसका एक बड़ा कारण पहाड़ों में भी विकास के नाम पर जंगलों का सफाया करने के साथ-साथ पहाड़ों में बढ़ती पर्यटकों की भारी भीड़ भी है।कोई भी बड़ी प्राकृतिक आपदा सामने आने पर हम आदतन प्रकृति को कोसना शुरू कर देते हैं लेकिन हम नहीं समझना चाहते कि प्रकृति तो रह-रहकर अपना रौद्र रूप दिखाकर हमें सचेत करने का प्रयास करती रही है कि अगर हम अभी भी नहीं संभले और हमने प्रकृति से साथ खिलवाड़ बंद नहीं किया तो हमें आने वाले समय में इसके खतरनाक परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

प्रकृति हमारी मां के समान है, जो हमें अपने प्राकृतिक खजाने से ढ़ेरों बहुमूल्य चीजें प्रदान करती है लेकिन अपने स्वार्थों के चलते हम अगर खुद को ही प्रकृति का स्वामी समझने की भूल करने लगे हैं तो फिर भला प्राकृतिक तबाही के लिए प्रकृति को कैसे दोषी ठहरा सकते हैं बल्कि दोषी तो हम स्वयं हैं, जो इतने साधनपरस्त और आलसी हो चुके हैं कि अगर हमें अपने घर से थोड़ी ही दूरी से भी कोई सामान लाना पड़े तो पैदल चलना हमें गवारा नहीं।इस छोटी सी दूरी के लिए भी हम स्कूटर या बाइक का सहारा लेते हैं।छोटे-मोटे कार्यों की पूर्ति के लिए भी निजी यातायात के साधनों का उपयोग कर हम पैट्रोल, डीजल जैसे धरती पर ईंधन के सीमित स्रोतों को तो नष्ट कर ही रहे हैं, पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचा रहे हैं और पैदल चलना छोड़कर अपने स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ रहे हैं।हमारे क्रियाकलापों के चलते ही वायुमंडल में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन, ओजोन और पार्टिक्यूलेट मैटर के प्रदूषण का मिश्रण इतना बढ़ गया है कि हमें वातावरण में इन्हीं प्रदूषित तत्वों की मौजूदगी के कारण सांस की बीमारियों के साथ-साथ टीबी, कैंसर जैसी कई और असाध्य बीमारियां जकड़ने लगी हैं।पैट्रोल, डीजल से पैदा होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड और ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को बेहद खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें।प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें।बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें।आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले। विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है।

पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं, इसलिए जरूरत है कि हम अपने-अपने स्तर पर वृक्षारोपण में दिलचस्पी लें और पौधारोपण के पश्चात उन पौधों की अपने बच्चों की भांति ही देखभाल भी करें।पर्यावरणीय असंतुलन के बढ़ते खतरों के मद्देनजर हमें खुद सोचना होगा कि हम अपने स्तर पर प्रकृति संरक्षण के लिए क्या योगदान दे सकते हैं।अगर हम वाकई चाहते हैं कि हम और हमारी आने वाली पीढ़ियां साफ-सुथरे वातावरण में बीमारी मुक्त जीवन जीएं तो हमें अपनी इस सोच को बदलना होगा कि यदि सामने वाला व्यक्ति कुछ नहीं कर रहा तो मैं ही क्यों करूं? अपनी छोटी-छोटी पहल से हम सब मिलकर प्रकृति संरक्षण के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं।हम प्रयास कर सकते हैं कि हमारे दैनिक क्रियाकलापों से हानिकारक कार्बन डाई ऑक्साइड जैसी गैसों का वातावरण में उत्सर्जन कम से कम हो।पानी की बचत के तरीके अपनाते हुए जमीनी पानी का उपयोग भी हम केवल अपनी आवश्यकतानुसार ही करें।

जहां तक संभव हो, वर्षा के जल को सहेजने के प्रबंध करें।प्लास्टिक की थैलियों को अलविदा कहते हुए कपड़े या जूट के बने थैलों के उपयोग को बढ़ावा दें।बिजली बचाकर ऊर्जा संरक्षण में अपना अमूल्य योगदान दें।आज के डिजिटल युग में तमाम बिलों के ऑनलाइन भुगतान की ही व्यवस्था हो ताकि कागज की बचत की जा सके और कागज बनाने के लिए वृक्षों पर कम से कम कुल्हाड़ी चले।विश्वभर में आधुनिकीकरण और औद्योगिकीकरण के चलते प्रकृति के साथ बड़े पैमाने पर जो खिलवाड़ हो रहा है, उसके मद्देनजर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करने की जरूरत अब कई गुना बढ़ गई है।कितना ही अच्छा हो, अगर हम सब प्रकृति संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लेते हुए अपने-अपने स्तर पर उस पर ईमानदारी से अमल भी करें।प्रकृति बार-बार अपनी मूक भाषा में चेतावनियां देकर हमें सचेत करती रही है, इसलिए स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण के लिए जरूरी है कि हम प्रकृति की इस मूक भाषा को समझें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपना-अपना योगदान दें।

नजरिया

उधर, प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की तरह ही प्रासात ता मुएन थोम प्राचीन मंदिर भी विवाद का बिंदु है। प्रासात ता मुएन थोम की खास बात यह है कि इसका शिवलिंग प्राकृतिक चट्टान से बना है और 'स्वयंभू शिवलिंग' की तरह पूजा जाता है। थाईलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओडार मीचेई प्रांत की सीमा पर प्राचीन खमेर राजमार्ग पर स्थित यह मंदिर 12वीं शताब्दी में खमेर सम्राट उदयादित्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बना। प्रासात ता मुएन थोम मंदिर को लेकर तनाव 13 फरवरी 2025 से शुरू हुआ।

शिव मंदिरों पर दो बौद्ध देशों के बीच तांडव

हरीश शिवनानी
मोबाइल : 9829210036

सावन का महीना भारत में सनातनी संस्कृति-धर्मावलंबियों के लिए पावन और महत्वपूर्ण माना जाता है। पूरे देश में शिव मंदिरों में महीने भर पूजा-अर्चना के कार्यक्रम चलते रहते हैं। इस बार सावन का महीना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट कारण से चर्चा में आ गया है। इस सावन माह में दो बौद्ध देशों के बीच सशस्त्र तांडव छिड़ गया है। इसका कारण हैं दो शिव मंदिर। थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर स्थित प्रासात प्रेह विहियार और प्रासात ता मुएन थोम नामक ये शिव मंदिर करीब एक हजार वर्ष प्राचीन हैं। दोनों देश बौद्ध बहुल हैं, लेकिन मंदिर की हिंदू विरासत दोनों के लिए सांस्कृतिक महत्व रखती है। थाईलैंड में हिंदू परंपरा और बौद्ध धर्म का मिश्रण देखा जाता है, जबकि कंबोडिया इसे अपनी खमेर पहचान से जोड़ता है। भारत की तरह वहाँ भी सावन मास में इनका महत्व बढ़ जाता है। दो बौद्ध देशों के बीच शिव मंदिरों को लेकर संघर्ष यह पुष्ट करता है कि आज भी यहाँ के निवासियों के मन-मस्तिष्क में अपनी मूल, प्राचीन सनातन संस्कृति की जड़ों के प्रति कितना सम्मान, कितनी तृष्णा है। थाईलैंड और कम्बोडिया इन शिव मंदिरों पर अपना स्वामित्व जताने के लिए सौ साल से ज्यादा संघर्षरत हैं। दोनों खमेर कालीन हिंदू मंदिर हैं, जो लगभग 153 किमी की दूरी पर स्थित हैं और लंबे समय से दोनों देशों के बीच तनाव का केंद्र रहे हैं।

प्रासात प्रेह विहियार शिव मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्र का विवाद थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक जटिल मुद्दा है। यह मंदिर थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर डोंगरेक पर्वत श्रृंखला में स्थित है। प्रासात प्रेह विहियार मंदिर का निर्माण 9 वीं से 11वीं शताब्दी के बीच खमेर साम्राज्य (9वीं से 15वीं शताब्दी) के दौरान हुआ। मंदिर को 'शिखरेश्वर' नाम से भी जाना जाता है। मंदिर में शिवलिंग और नंदी की प्रतिमा स्थापित है, जो हिंदू धर्म की समृद्ध परंपरा को दर्शाती है।

प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की भौगोलिक स्थिति विवाद का प्रमुख कारण है। मंदिर तक पहुंच का मुख्य रास्ता थाईलैंड की ओर से है, हालांकि पूर्वी और पश्चिमी ओर से कंबोडिया के शहरों से जुड़े दो रास्ते भी हैं। कंबोडियाई स्वयं को खमेर साम्राज्य के वंशज मानते हैं और मंदिर को अपनी सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान मानते हैं। वहीं,थाईलैंड में इसे हिंदू और बौद्ध विरासत के हिस्से के रूप में देखा जाता है, क्योंकि यह क्षेत्र पहले स्याम (थाईलैंड का पुराना नाम) के प्रभाव में था। वर्ष 1863 से 1953 तक कंबोडिया फ्रांसीसी उपनिवेश के अधीन था।1907 में फ्रांस और स्याम (थाईलैंड) के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें डोंगरेक पर्वत क्षेत्र और प्रासात प्रेह विहियार मंदिर को कंबोडिया के हिस्से के रूप में चिह्नित किया गया। जिसे थाईलैंड ने स्वीकार नहीं किया। इस सीमा निर्धारण ने विवाद की नींव रखी, क्योंकि थाईलैंड का दावा था कि मंदिर और इसके आसपास का क्षेत्र उनके सुरीन और सिसाकेट प्रांतों का हिस्सा है। वर्ष 1959 में कंबोडिया विवाद को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ले गया। 1962 में न्यायालय ने मंदिर कंबोडिया के क्षेत्र में माना। थाईलैंड ने फैसले को स्वीकार नहीं किया। जुलाई 2008 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर का दर्जा दिया, जिसका भी थाईलैंड ने विरोध किया। इसके बाद सीमा पर सैन्य तनाव बढ़ गया और 2008 से 2011 तक दोनों देशों के सैनिकों के बीच कई झड़पें हुईं। वर्ष 2011 में यह संघर्ष चरम पर पहुंच गया।

उधर, प्रासात प्रेह विहियार मंदिर की तरह ही प्रासात ता मुएन थोम प्राचीन मंदिर भी विवाद का बिंदु है। प्रासात ता मुएन थोम की खास बात यह है कि इसका शिवलिंग प्राकृतिक चट्टान से बना है और 'स्वयंभू शिवलिंग' की तरह पूजा जाता है। थाईलैंड के सुरिन प्रांत और कंबोडिया के ओडार मीचेई प्रांत की सीमा पर प्राचीन खमेर राजमार्ग पर स्थित यह मंदिर 12वीं शताब्दी में खमेर सम्राट उदयादित्यवर्मन द्वितीय के शासनकाल में बना। प्रासात ता मुएन थोम मंदिर को लेकर तनाव 13 फरवरी 2025 से शुरू हुआ। जब कंबोडियाई सैनिकों ने मंदिर में जाकर अपना राष्ट्रगान गाया, जिसे थाई सैनिकों ने सीमा उल्लंघन माना और विवाद शुरू हो गया। इसके बाद 28 मई 25 में एमराल्ड ट्रायंगल क्षेत्र में एक कंबोडियाई सैनिक की मौत के बाद दोनों देशों के बीच फिर तनाव बढ़ गया। इस घटना के बाद एक रोचक वाकया हुआ। 28 मई को हुए टकराव के बाद तनाव कम करने के उद्देश्य से थाईलैंड की प्रधानमंत्री पैतोंगटार्न शिनावात्रा ने कंबोडिया के पूर्व नेता हुन सेन के साथ फोन पर बातचीत की। जिसमें पैतोंगटार्न ने थाईलैंड-कंबोडिया सीमा विवाद पर चर्चा हुई।इस बातचीत में उन्होंने कथित तौर पर थाई सेना के कमांडर की आलोचना की और हुन सेन को 'अंकल' कहकर संबोधित किया। इस बात को थाईलैंड में अपमानजनक और 'राष्ट्र के सम्मान' के विरुद्ध मानते हुए इसे प्रधानमंत्री पद की नैतिकता का उल्लंघन माना गया और 1 जुलाई को थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री शिनावात्रा को निलंबित कर दिया।

इसके बाद 23 जुलाई को एक थाई सैनिक लैंडमाइन की चपेट में आ गया और विवाद अब सीधे सैन्य संघर्ष में बदल गया और 24 जुलाई से थाईलैंड और कंबोडिया टैंकों, तोपों, राकेटों और फौजों को साथ लेकर युद्ध मैदान में आ गए हैं। राकेट वार शुरू हो गई है। एक दूसरे पर बम बरसाए जा रहे हैं, सेनाएं आमने सामने मोर्चा संभाले खड़ी हैं।अब तक 40 लोगों की मौत हो चुकी है और करीब डेढ़ लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। सावन मास में फ़िलहाल यह तांडव जारी है।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बिहार: ‘भोजपुरी के शेक्सपियर’ भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की मांग तेज

पटना/भाषा। भोजपुरी भाषी लोग बिहार में जन्मे महान लोक कलाकार भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने की जोरदार मांग उठा रहे हैं। प्रेम से ठाकुर को ‘भोजपुरी के शेक्सपियर’ नाम से पुकारने वाले उनके इन समर्थकों का मानना है कि वह अंग्रेजी के महान कवि और नाटककार के बराबर हैं। अभिनेता से नेता बने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मनोज तिवारी और रवि किशन सहित कई हस्तियों ने भिखारी ठाकुर को भारत रत्न देने के लिए केंद्र सरकार से लिखित अनुरोध किया है।

भिखारी ठाकुर (1887 1971) बिहार के प्रसिद्ध नाटककार, अभिनेता, लोकगायक और समाज सुधारक थे। उन्हें भोजपुरी भाषा के सबसे महान लेखकों में से एक माना जाता है।बिहार के सारण जिले के कुतुबपुर (दियारा) गांव में जन्में ठाकुर नाई समुदाय से आते थे।

अभिनेता, गायक एवं नेता मनोज तिवारी ने ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, महान भिखारी ठाकुर एक नाटककार, गीतकार, अभिनेता, लोक नर्तक, लोक गायक, लोक नाट्य निर्देशक और समाज सुधारक थे।

वह भारत के सबसे महान लोक कलाकारों में से एक थे। अपने समय से बहुत आगे की सोच रखने वाले ठाकुर ने अपना खुद का थिएटर समूह बनाया और प्रतिष्ठित एवं दुनियाभर में प्रख्यात ‘बिदेसिया’ सहित कई नाटक लिखे। तिवारी ने हाल में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर ठाकुर को भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न (मरणोपरांत) देने की मांग की है। कैमूर जिले के अतरवलिया गांव के निवासी तिवारी ने कहा, ठाकुर ने एक योद्धा की तरह जीवन जीते हुए पुरानी सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष किया। उन्होंने लोककला को अपनाया और समाजिक समस्याओं का आम लोगों की भाषा और बोली (भोजपुरी) में उठाया। उन्होंने कहा कि ‘गंगा-स्नान, बिदेसिया, गबरघिचोर, बेटी-बेचवा, भाई-विरोध’ और ‘नई-बहार’ जैसे उनके नाटक आज भी प्रासंगिक हैं और ये सभी समाज को एक संदेश देते हैं। कई भोजपुरी हिट फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं निभाने वाले उत्तर प्रदेश से भाजपा सांसद रवि किशन ने भी इसी तरह के विचार प्रकट करते हुए ‘पीटीआई-भाषा’ से कहा, मैं भी मांग करता हूं कि भिखारी ठाकुर को भारत रत्न दिया जाए... वह एक महान लोक कलाकार थे। उन्होंने अपनी रचनाओं को भोजपुरी बोली में इस तरह प्रस्तुत किया कि वह सीधे आम जनता के दिल को छू जाए।

थाईलैंड, कंबोडिया के नेता संघर्ष समाप्त करने के लिए मलेशिया में वार्ता करेंगे

बैंकॉक/एपी। थाईलैंड और कंबोडिया के नेता संघर्ष समाप्त करने के लिए मलेशिया में बैठक करेंगे। थाईलैंड के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

थाईलैंड और कंबोडिया के सैनिकों के बीच सीमा पर हो रहे संघर्ष को चार दिन हो गए हैं, जिसमें अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है तथा 1.68 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता जिरायु हुआंगसाप ने बताया कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के ‘‘क्षेत्र में शांति प्रयासों पर चर्चा करने’’ संबंधी निमंत्रण पर सोमवार को आयोजित होने वाली वार्ता में शामिल होंगे।

जिरायु ने कहा कि फुमथाम के कंबोडियाई समकक्ष हुन मानेट भी वार्ता में शामिल होंगे, हालांकि कंबोडियाई अधिकारियों ने इसकी तत्काल पुष्टि नहीं की है।

थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर एक सुरंग में बृहस्पतिवार को हुए विस्फोट में पांच थाई सैनिकों के घायल होने के बाद दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हो गया था।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मध्यस्ता कराए जाने के प्रयासों के बाद थाईलैंड और कंबोडिया ने संकेत दिया था कि वे सीमा विवाद को खत्म करने के वास्ते बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट ने रविवार को कहा कि उनका देश तत्काल और बिना शर्त युद्ध विराम पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने उन्हें बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति की फुमथाम के साथ बातचीत के बाद थाईलैंड भी हमले रोकने पर सहमत हो गया है।

कूटनीतिक प्रयासों के बावजूद, दोनों देशों की विवादित सीमा के कुछ हिस्सों में रविवार को भी संघर्ष जारी रहा। दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हुए तथा पुनः गोलाबारी व सैन्य गतिविधियों के लिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे।

थाईलैंड की सेना की उप प्रवक्ता कर्नल रिचा सुक्सोवानोन्त ने कहा कि कंबोडियाई सेना ने रविवार तड़के सुरीन प्रांत में भारी गोलाबारी की।

इस बीच थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा, जब तक कंबोडिया में सद्भावना की भारी कमी है और वह मानवाधिकारों और मानवीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों का बार-बार उल्लंघन कर रहा है, तब तक संघर्ष समाप्त नहीं हो सकता।

अब क्यूआर कोड के साथ बिकेगी कोल्हापुरी चप्पल, नकली उत्पाद की बिक्री पर लगेगी रोक

कोल्हापुर/भाषा। भारत के सबसे प्रतिष्ठित पारंपरिक शिल्प में से एक कोल्हापुरी चप्पल, न केवल घरेलू फैशन जगत में बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी नए सिरे से लोकप्रिय हो रही है। एक इतालवी ब्रांड प्रादा पर इस चप्पल के दुरुपयोग का आरोप लगा है।

अपनी जटिल कारीगरी और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध और भौगोलिक संकेतक (जीआई) के दर्जे वाली यह हस्तनिर्मित चमड़े की सैंडल को अब क्यूआर कोड के रूप में सुरक्षा और प्रामाणिकता की एक अतिरिक्त परत के साथ उपलब्ध है। इसका श्रेय हालिया प्रौद्योगिकी और कानूनी नवोन्मेषण को जाता है। महाराष्ट्र के चमड़ा उद्योग विकास निगम (लिडकॉम) के अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का उद्देश्य नकली कोल्हापुरी चप्पल की बिक्री पर रोक लगाना, प्रत्येक उत्पाद के पीछे कारीगर की पहचान को दर्शाना, उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाना और पारंपरिक कारीगरों की बाजार में स्थिति को मजबूत करना है। हाल ही में, इटली के लक्जरी फैशन ब्रांड प्रादा के नए कलेक्शन में कोल्हापुरी चप्पल जैसे दिखने वाले फुटवियर को शामिल किए जाने पर कारीगरों ने जीआई अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए विरोध जताया था।इस विवाद के बाद प्रादा ने स्वीकार किया था कि उसके पुरुषों के 2026 फैशन शो में प्रदर्शित सैंडल पारंपरिक भारतीय दस्तकारी वाले फुटवियर से प्रेरित थी। हालांकि, ब्रांड ने महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स को दिए एक जवाब में स्पष्ट किया है कि प्रदर्शित सैंडल डिजाइन के चरण में है और अभी तक इनके व्यावसायिक उत्पादन की पुष्टि नहीं हुई है।

प्रादा के विशेषज्ञों की एक टीम ने इस महीने की शुरुआत में कारीगरों से बातचीत करने और स्थानीय जूता-चप्पल विनिर्माण प्रक्रिया का आकलन करने के लिए कोल्हापुर का दौरा किया था।

12वीं शताब्दी से चली आ रही यह चप्पल मुख्य रूप से महाराष्ट्र के कोल्हापुर, सांगली और सोलापुर जिलों में तैयार की जाती रही है। प्राकृतिक रूप से टैन किए गए चमड़े और हाथ से बुनी हुई पट्टियों से बना इनके विशिष्ट डिजाइन को कारीगरों की पीढ़ियों द्वारा संरक्षित किया है।

बीसवीं शताब्दी की शुरुआत में इसे एक बड़ा बढ़ावा मिला जब दूरदर्शी शासक छत्रपति शाहू महाराज ने इसे आत्मनिर्भरता और स्वदेशी गौरव के प्रतीक के रूप में प्रचारित किया। उन्होंने इन चप्पलों के उपयोग को प्रोत्साहित किया, जिससे ग्रामीण शिल्प को एक सम्मानित कुटीर उद्योग के रूप में विकसित करने में मदद मिली। इस सांस्कृतिक विरासत की रक्षा और कारीगरों को उचित मान्यता सुनिश्चित करने के लिए, महाराष्ट्र और कर्नाटक सरकारों ने संयुक्त रूप से 2019 में इसके लिए जीआई दर्जा हासिल किया।

लिडकॉम ने बयान में कहा कि प्रत्येक जोड़ी चप्पल के लिए क्यूआर-कोडे वाला प्रमाणन शुरू किया है। इस डिजिटल पहल का उद्देश्य जालसाजी से निपटना और प्रत्येक उत्पाद के पीछे कारीगर या स्वयं सहायता समूह की पहचान को उजागर करना है।

कोड स्कैन करके खरीदार कारीगर या उत्पादन इकाई का नाम और स्थान, महाराष्ट्र में निर्माण के जिले, शिल्प तकनीक और प्रयुक्त कच्चे माल, जीआई प्रमाणन की वैधता और स्थिति जैसी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी से मिले अनुपम खेर, भेंट किया विशेष उपहार

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अनुपम खेर ने हाल ही में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरेशी से मुलाकात की और उनकी बहादुरी व सेना की सराहना की। इस मुलाकात में उन्होंने कर्नल सोफिया को अपनी एक किताब को तोहफे के तौर पर दिया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मुलाकात की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह सोफिया को एक किताब देते हुए नजर आ रहे हैं। तस्वीर पोस्ट कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, ऑपरेशन सिंदूर – हाल ही में मैं कर्नल सोफिया से मिला और उनसे मिलकर मुझे बेहद खुशी हुई, साथ ही गर्व भी महसूस हो रहा है। मैंने उन्हें अपनी किताब भेंट की। सोफिया भारतीय सेना के शान, साहस और गरिमा का प्रतीक हैं। आपके स्नेह और प्रशंसा के लिए धन्यवाद! जय हिंद! कर्नल सोफिया कुरैशी भारतीय सेना के कॉर्प्स ऑफ सिग्नल्स में एक अधिकारी हैं। वह पहली महिला हैं जिन्होंने एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना के दस्ते का नेतृत्व किया था। इसके अलावा, उन्होंने ’ऑपरेशन सिंदूर’ के दौरान पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सेना की मीडिया ब्रीफिंग का नेतृत्व किया था।

वहीं, अनुपम खेर अपनी नई फिल्म ’तन्वी द ग्रेट’ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। मध्य प्रदेश के बाद दिल्ली में भी अभिनेता और फिल्ममेकर अनुपम खेर की हाल में रिलीज हुई फिल्म ’तन्वी द ग्रेट’ को टैक्स फ्री कर दिया गया है। इसकी जानकारी दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ’एक्स’ के जरिए घोषणा की कि फिल्म ’तन्वी द ग्रेट’ को टैक्स फ्री कर दिया गया है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ’एक्स’ पर पोस्ट करते हुए कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिल्ली सरकार ने राज्य में फिल्म ’तन्वी द ग्रेट’ को टैक्स फ्री घोषित कर दिया है। प्रभावशाली कहानी के साथ यह फिल्म एक युवा लड़की तन्वी की प्रेरणादायक कहानी है, जो तमाम मुश्किलों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। तन्वी की कहानी भावनात्मक और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि हम ऐसी फिल्मों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो राष्ट्र सेवा की भावना को मजबूत करें, देशभक्ति की भावना जगाएं, और राष्ट्र की चेतना को जागृत करें। फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं।

उद्घाटन

तेलंगाना के आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने रविवार को हैदराबाद के अमीरपेट में अग्रसेन बैंक का उद्घाटन किया।

‘मेहर’ में ‘करमजीत सिंह’ का किरदार भावनाओं और मुश्किलों में दृढ़ता का प्रतीक : राज कुंद्रा

मुंबई/एजेन्सी

बिजनेसमैन और अभिनेता राज कुंद्रा अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म ’मेहर’ को लेकर उत्साहित हैं। राज ने फिल्म में सिख किरदार करमजीत सिंह की भूमिका निभाने के अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस किरदार ने उन्हें जीवन के भूले-बिसरे मूल्यों, सेवा, संयम और सीख की याद दिलाई। राज ने करमजीत सिंह के किरदार को अपने जीवन का सबसे यादगार और परिवर्तनकारी अनुभव बताया। इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म का फर्स्ट-लुक पोस्टर साझा करते हुए राज कुंद्रा ने लिखा कि करमजीत सिंह का किरदार केवल एक भूमिका नहीं, बल्कि गहरी भावनाओं, परिवार के प्रति अटूट प्रेम और विपत्तियों में दृढ़ता का प्रतीक है। उन्होंने इस किरदार के जरिए सिख जीवनशैली के प्रति अपनी नई समझ और सम्मान को व्यक्त किया। राज ने फिल्म की पूरी टीम को धन्यवाद दिया, जिनके सहयोग से यह अनुभव संभव हुआ।

उन्होंने लिखा, राज से करमजीत सिंह तक का सफर मैं कभी नहीं भूल पाऊंगा। ’मेहर’ में करमजीत सिंह की भूमिका निभाना मेरे जीवन के सबसे परिवर्तनकारी अनुभवों में से एक रहा है। वह सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि गहरी भावनाओं, अपने परिवार के प्रति अटूट प्रेम और विपरीत परिस्थितियों में भी ताकत से परिपूर्ण व्यक्ति है।

उन्होंने मुझे उन मूल्यों की याद दिलाई जो हम जीवन की भागदौड़ में कभी-कभी भूल जाते हैं। मैं इस शानदार टीम के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं, जिसने इसे संभव बनाया।

उन्होंने अपनी को-स्टार गीता बसरा की तारीफ करते हुए कहा कि उनकी मौजूदगी ने हर सीन को गहराई और गर्मजोशी दी। इसके अलावा, उन्होंने निर्माता दिव्या भटनागर और रघु खन्ना को कहानी पर भरोसा करने और उसे प्यार से संवारने के लिए धन्यवाद दिया। राज ने अपने ऑनस्क्रीन दोस्त बनींद्र, भाई आशीष दुग्गल और कवि-गीतकार सोनी थुलेवाल को भी उनके मार्गदर्शन और दोस्ती के लिए सराहा।

फिल्म के निर्देशक राकेश मेहता को ’पाजी’ कहकर संबोधित करते हुए राज ने कहा कि उनकी संवेदनशीलता और नजरिए ने करमजीत सिंह के किरदार को जीवंत किया। राज ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें सिख मूल्यों – सादगी, ताकत और सेवा को गहराई से समझने का मौका दिया, जो उनके दिल पर खास छाप छोड़ गया। उन्होंने आगे कहा, स्पॉट बॉयज से लेकर डीओपी, हर टेक्नीशियन, कॉस्ट्यूम डिजाइनर और पूरी टीम का शुक्रिया। आपने हर फ्रेम में जान डाल दी और सबसे बढ़कर हमारे कैप्टन, डायरेक्टर राकेश मेहता का बहुत-बहुत शुक्रिया। आपने सिर्फ एक फिल्म का निर्देशन ही नहीं किया, बल्कि मुझे खुद के उस पहलू को जानने में मदद की जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था। आपकी दूरदर्शिता और संवेदनशीलता ने एक ऐसे किरदार को जन्म दिया है जिसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगा।

’मेहर’ में राज कुंद्रा और गीता बसरा के साथ मास्टर अगमवीर सिंह, बनींद्र बनी, सविता भट्टी, रुपिंदर रूपी, दीप मंदीप, आशीष दुग्गल, हॉबी ढालीवाल, तरसेम पॉल और कुलवीर सोनी जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं। राकेश मेहता के निर्देशन में बनी यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्टंटमैन की सुरक्षा के लिए सुनील शेट्टी ने की खास मांग

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता सुनील शेट्टी ने हाल ही में वेब सीरीज ’हंटर सीजन 2’ में शानदार एक्शन सीन से सुर्खियां बटोरी हैं। अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री को आधिकारिक उद्योग का दर्जा देने और स्टंटमैन की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री को स्टंटमैन की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाना चाहिए। अभिनेता ने कहा, सबसे पहले फिल्म इंडस्ट्री को एक उद्योग के रूप में आधिकारिक मान्यता मिलनी चाहिए। इसे वही लाभ मिलने चाहिए जो बाकी इंडस्ट्री को मिलते हैं। जैसे बीमा (इंश्योरेंस) होना बहुत जरूरी है। साथ ही, स्टंट सिखाने के लिए प्रशिक्षण अकादमियों की जरूरत है। एक्शन डायरेक्टर्स के लिए लाइसेंस और सर्टिफिकेशन अनिवार्य करना चाहिए।

इसके अलावा, स्टंट करते समय सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म की रिलीज डेट नजदीक होने की वजह से जल्दबाजी में शूटिंग करना गलत है और इसे बदलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि एक्शन सीक्वेंस को शांत माहौल में पूरी सावधानी से करना चाहिए। लेकिन ये सब चीजें प्रोड्यूसर और डायरेक्टर पर निर्भर करती हैं। उन्होंने कहा, अगर हम इन छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखें, तो इससे बहुत बड़ा बदलाव आएगा। सुनील ने स्वीकार किया कि वे एक्शन सीक्वेंस करते समय बहुत सावधानी बरतते हैं, लेकिन उनकी चिंता अपनी सुरक्षा के लिए नहीं, बल्कि सीन में शामिल सभी लोगों की सुरक्षा के लिए होती है। इस बीच, सुनील ने अपनी सीरीज में एसीपी विक्रम की भूमिका के बारे में बात की।

उन्होंने कहा,सीजन 1 बहुत खास था। सीजन 1 में विक्रम अपने अतीत से भाग रहा है। लेकिन सीजन 2 में, उसका अतीत उसे एक तरीके से पकड़ लेता है। सीरीज में विक्रम एक मिशन पर है। वह एक एक पिता है, जिसके पास खोने के लिए कुछ नहीं बचा। बता दें, हाल ही में तमिल फिल्म ’वेट्टुवम’ के सेट पर एक स्टंट ट्रेनर, मोहनराज, की मृत्यु हो गई थी। यह हादसा तब हुआ जब वह एक कार पलटने वाला सीन शूट कर रहे थे।

उद्घाटन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पटना में पटना संग्रहालय के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ।

दलजीत कौर ने फिर से शुरू की फिटनेस जर्नी, कहा- ‘जीवन की उलझनों ने पीछे खींचा’

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दलजीत कौर ने अपनी फिटनेस जर्नी फिर से शुरू की और इसकी झलक सोशल मीडिया पर शेयर की। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल में उनकी जिंदगी में काफी उलझनें और भावनात्मक उतार-चढ़ाव आए, जिसकी वजह से वह फिट होने की कोशिशें जारी नहीं रख पाईं थीं। दलजीत ने इंस्टाग्राम पर अपना वर्कआउट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह जिम में अपनी पीठ और पैरों की एक्सरसाइज करती दिख रही हैं।

इस वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, ’’मैं पिछले एक साल से कई बार फिट होने की कोशिश कर चुकी हूं, लेकिन जीवन की उलझनें, व्यस्त दिनचर्या और भावनाएं मुझे हमेशा पीछे खींचती रहीं। इस बार मैंने ठान लिया है कि अब कोई बहाना नहीं चलेगा और फिट होने पर पूरा ध्यान देना होगा।’’

उन्होंने बताया कि फिटनेस के लिए उन्होंने एक बेहतरीन ट्रेनर चुना है, जिसे वह अपनी आखिरी उम्मीद मानती हैं। उन्होंने कहा, ’’मेरा ट्रेनर एक्सरसाइज के मामले में काफी सख्त है। वह अलग-अलग ट्रेनिंग के तरीके इस्तेमाल करता है ताकि सही नतीजे मिल सकें। हर इंसान की जरूरतें अलग होती हैं, इसलिए सही नतीजे पाने के लिए, हर किसी के हिसाब से सही डाइट और एक्सरसाइज बनानी पड़ती है।’’ दलजीत ने कहा कि अब सिर्फ बॉडी ठीक करने की बात नहीं है, बल्कि अंदर से खुद को भी सही करना है।

दलजीत ने कहा, ’’ये जर्नी अब शुरू हो चुकी है, और मैं हर कदम आप सब के साथ शेयर करूंगी, जैसा है वैसा ही, बिना किसी बनावट के, पूरी ईमानदारी के साथ। अब वक्त है अपनी जिंदगी को एक-एक एक्सरसाइज के साथ बेहतर बनाने का।’’ दलजीत मार्च 2023 में निखिल पटेल से शादी करके केन्या चली गई थीं, लेकिन जनवरी 2024 में अपने बेटे जेडन के साथ भारत वापस लौट आईं। उनकी ये दूसरी शादी थी, जो टूट गई। इससे पहले उन्होंने एक्टर शालीन भनोट से शादी की थी। इस शादी से उन्हें बेटा जेडन हुआ, लेकिन 2015 में दोनों के बीच तलाक हो गया और दोनों अलग हो गए। तब उन्होंने उन पर घरेलू हिंसा का आरोप लगाया था।

चिरंजीवी के साथ डांस करती नज़र आएंगी मौनी रॉय

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री, एंटरप्रेन्योर और फैशन इट गर्ल मौनी रॉय एक बार फिर एक्शन में हैं। और इस बार कुछ खास लेकर। मौनी अब मेगास्टार चिरंजीवी के साथ एक खास डांस नंबर में नजर आएंगी, जो उनका टॉलीवुड डेब्यू भी होगा। उनकी आने वाली फिल्म ‘विश्वंभरा’ के सेट से एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है, जो फैंस को इस ग्रैंड गाने की एक झलक देती है। चमकदार ड्रेस पहने, मौनी स्क्रीन पर धूम मचाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही हैं, जो तेलुगु सिनेमा के दिग्गज के साथ एक ज़बर्दस्त हाई-एनर्जी डांस नंबर की ओर इशारा करता है।

हालांकि फिल्म निर्माताओं ने उनके लुक को छुपा कर रखने की कोशिश की, लेकिन ऑनलाइन वायरल हो रही उनकी तस्वीर ने प्रशंसकों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है। इस खास गाने को इंडस्ट्री के एक टॉप कोरियोग्राफर द्वारा निर्देशित किया जा रहा है, जिसमें मौनी रॉय और चिरंजीवी एक साथ थिरकते नजर आएंगे।

यह जोड़ी पहले से ही सुर्खियां बटोर रही है और मौनी के टॉलीवुड में इस भव्य प्रोजेक्ट के साथ एंट्री को लेकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। काम के मोर्चे पर, मौनी रॉय का जलवा कम नहीं हो रहा है। ‘ब्रह्मास्त्र’ और ‘द भूतनी’ जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय के बाद वह फारुक कबीर द्वारा निर्देशित जासूसी थ्रिलर सलाकार के साथ डिजिटल स्पेस में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बड़े पैमाने पर तेलुगु एंटरटेनर हो या स्टाइलिश स्पाई ड्रामा मौनी रॉय हर जॉनर में अपना जलवा दिखा रही हैं, और उनके फैंस उनके हर अंदाज़ को खुले दिल से अपना रहे हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

सकारात्मक सोच वाला व्यक्ति स्वस्थ व्यक्ति होता है : साध्वीश्री पुण्ययशा

'स्वास्थ्य की चाबी आपके हाथ' विषयक कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष के अंतर्गत 'स्वास्थ्य की चाबी आपके हाथ' विषय पर साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में कार्यशाला का आयोजन किया गया। महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत किया। साध्वी बोधिप्रभा जी ने कहा कि शास्त्रों में स्वस्थ जीवन जीने के लिए वर्तमान में जीना, अतीत का चिंतन एवं वर्तमान के कल्पना से दुखी नहीं होना चाहिए। सकारात्मक चिंतन शैली, दुख में सुख एवं सुख में दुख निकालना अपने हाथ में है। अनागृह, अनासक्त भावना का विकास एवं आवेश पर नियंत्रण रखना। अपने स्वास्थ्य की चाबी अपने हाथ में रखनी चाहिए। साध्वी पुण्ययशाजी ने प्रेक्षाध्यान को उत्तम स्वास्थ्य का प्रयोग बताया। उन्होंने सभी को पवित्र विचारों से जोड़ते हुए ध्यान का प्रयोग करवाया। भोजन का संतुलन एवं मन की शांति को स्वास्थ्य की चाबी बताई। अच्छी भूख, अच्छी नींद और जिसकी सोच सकारात्मक हो वह स्वस्थ व्यक्ति है। भावनात्मक रूप से जिसके क्रोध, आवेग आवेश शांत हो वह व्यक्ति स्वस्थ है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए ध्यान एवं मंत्र के प्रयोग भी बतलाए। उन्होंने बेमेल भोजन के बारे में भी जानकारी दी। मंडल की सदस्याओं द्वारा खान पान विषय पर एक रोचक प्रस्तुति दी गई। कार्यशाला का संचालन संयोजिका श्वेता कोठारी ने किया। मंत्री वंदना भंसाली ने धन्यवाद दिया।

जन्मदाता, जीवनदाता और संस्कारदाता होते हैं हमारे माता पिता : मुनिश्री आर्यशेखरविजय

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के चिकपेट स्थित आदिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री आर्यशेखरविजयजी ने कहा कि हमारे जीवन में माता पिता के अनगिनत उपकार हैं। माता पिता हमारे जन्मदाता, जीवनदाता और संस्कारदाता होते हैं। जिस प्रकार एक शिल्पकार पत्थर से प्रतिमा को या लोहार लोहे को आकार देता है, उसी प्रकार माता पिता हमारे जीवन को आकार देते हुए सफल बनाते हैं। हमें जीवन में मां से सहनशीलता व पिता से संघर्षरत रहना सीखना चाहिए। मां की ममता और पिता की समता का कोई हिसाब नहीं लगा सकता। संतश्री ने कहा कि जैसे पानी की कीमत रेगिस्तान में, अनाज की सच्ची कीमत अकाल में, प्रकाश की ताकत अंधकार में व शांति का मूल्य शोर में पता चलता है वैसे ही उपकारी माता पिता की कीमत उनकी अनुपस्थित में समझ आती है। किसी ज्ञानी ने लिखा है कि मां सबकी जगह ले सकती है, पर मां की जगह कोई नहीं ले सकता।

शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा निर्देशित तेरापंथ किशोर मंडल की ओर से क्रिकेट शैली में शनिवार रात को साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में 'भिक्षु प्रीमियर लीग' नामक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

तेरापंथ किशोर मंडल राजराजेश्वरीनगर ने आयोजित की 'भिक्षु प्रीमियर लीग'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरीनगर द्वारा निर्देशित तेरापंथ किशोर मंडल की ओर से क्रिकेट शैली में शनिवार रात को साध्वी पुण्ययशा जी के सान्निध्य में 'भिक्षु प्रीमियर लीग' नामक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजक नमन छाजेड़ द्वारा आगंतुकों का स्वागत किया गया। इस प्रतियोगिता में 8-8 सदस्यों की सिरीयारी, कंटालिया, सुग्रीव व बागड़ी नामक चार टीमों ने भाग लिया जिसमें कंटालिया टीम ने प्रथम एवं सिरीयारी टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। किशोर मंडल के प्रभारी महावीर पितलिया, तेयुप के अध्यक्ष विक्रम मेहर ने किशोरों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर अभातेयुप, तेयुप, सभा, ट्रस्ट, महिला मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे। नैतिक जैन व जतिन बांठिया ने संचालन किया।

अनावेश, अनाग्रह और अनाशक्ति अपनाने से चित्त में समाधि रहेगी : साध्वीश्री सोमयशा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन यशवंतपुर में साध्वी सोमयशाजी के सान्निध्य में हेल्थ इज वेल्थ पहल के अन्तर्गत 'तनाव से मुक्ति-एक नई सोच' कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जिया जैन उपस्थित थीं। तेरापंथ युवक परिषद के मंत्री अभिषेक पोखरना ने सभी का स्वागत करते हुए वक्ता का परिचय दिया। साध्वी डॉ. सरलयशाजी ने कहा कि जीवन की सबसे बड़ी समस्या तनाव (टेंशन) है जो कि हर उम्र के लोगों में स्वाभाविक है। साध्वीश्री ने तनाव से बचने के उपाय बताए। साध्वी सोमयशाजी ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी के सिद्धांतों से निकले 3 शब्द अनावेश, अनाग्रह और अनाशक्ति इनको जीवन में अपनाने से चित्त में समाधि रहेगी।

उन्होंने कहा कि जीवन में प्लीज, सॉरी व थेंक यू कहने व अपनाने से तनाव से मुक्ति मिलती है। मुख्य वक्ता जीया जैन ने कहा कितनाव की शुरूआत घर से ही हो रही है, आज घरों में सभी लोग तनाव में ही जी रहे है। अति जानकारी व क्या कहेंगे लोग ये दृष्टिकोण भी तनाव का कारण बनता जा रहा है। उन्होंने तनाव को कम करने के लिए सरल उपाय बताए। जीवन में छोटी-छोटी बातें जो हमारे लिए ज्यादा महत्त्वपूर्ण नहीं है उन बातों के बारे में ज्यादा सोच विचार नहीं करना चाहिए, साथ ही अध्यात्म के जरिए भी तनाव को कम करने का सुझाव दिया। इस कार्यक्रम में तेयुप के अध्यक्ष धर्मेश डूंगरवाल, अभातेयुप के विनोद मुथा , सभा के अध्यक्ष सुरेश बरड़िया, महिला मंडल की अध्यक्ष रेखा पितलिया, सभा के पूर्व अध्यक्ष गौतम मुथा, प्रकाश बाबेल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संचालन करते हुए तेयुप के मंत्री अभिषेक पोखरना ने धन्यवाद दिया ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीवदया सेवा

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्तकुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल के सदस्यों ने रजत जयंती वर्ष के कार्यक्रमों के अन्तर्गत रविवार को कनकपुरा स्थित रिषभ कामधेनु गौशाला में जीवदया कार्यक्रम आयोजित किया। आनंदकुमार कोठारी के सौजन्य से इस सेवा में मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, महामंत्री ललित डाकलिया, नरेन्द्र पारख, अर्चित पारख, विकास बच्छावत आदि सदस्य उपस्थित थे।

नेमिनाथ परमात्मा के जन्म कल्याणक पर आयोजित किया स्नात्र महोत्सव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागड़ी रोड के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वी मयूरयशाजी की निश्रा में श्रावण शुक्ल पंचमी पर नेमिनाथ परमात्मा के जन्म कल्याणक के आलंबन में परमात्मा का स्नात्र महोत्सव एवं विविध औषधियों से परमात्मा का अभिषेक किया गया। इस उपलक्ष्य में आराधना भवन में मेरु पर्वत की कृत्रिम रचना की गई और 64 इंद्र इंद्राणियों के साथ में परमात्मा का जन्म अभिषेक किया गया। इस मौके पर साध्वी ने स्नात्र पूजा के रहस्य का बखान करते हुए जंबू द्वीप, भरत क्षेत्र, मेरु पर्वत के बारे में विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि परमात्मा का जन्म होने के बाद में सौधर्म इंद्र परमात्मा का अभिषेक मेरु पर्वत के पांडुक वन में करोड़ों देव देवियों की मौजूदगी में प्रभु का जन्म महोत्सव मनाते हैं। प्रभु के जन्म से पूरे संसार में खुशियां छा जाती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

बेंगलूरु के शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज शिवाजीनगर के जय भास्कर मंडल द्वारा शनिवार को एक दिवसीय सावन यात्रा के तहत चिक्कबलापुर समीप घाटी सुब्रमण्यम घाटी, नंदी मंदिर, भोगा नंदीश्वर मंदिर, आदियोगी पश्चात अतिप्राचीन रंगनाथा स्वामी देवस्थान की पूजा-अर्चना की तथा शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा का सम्मान किया। इस मौके पर समाज के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु से रामदेवरा तक साइकिल यात्रा हुई रवाना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्री बाबा रामदेवजी एकता साइकिल संघ द्वारा आयोजित वार्षिक साइकिल यात्रा का शुभारंभ रविवार को हुआ। रघुवीरसिंह चौहान, जबराराम माली, संघ के अध्यक्ष रतनसिंह सोढ़ा, उपाध्यक्ष नरपतसिंह राजपुरोहित, लाबुराम देवासी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रियों को रवाना किया। यह यात्रा बेंगलूरु से शुरू होकर टुमकूर,सिरा, दावणगेरे, हुब्बल्ली, पूना, सूरत, अहमदाबाद, सुंधा माता, आशापुरी माता मोदरान, सिरे मंदिर, आसोतरा भरमा धाम, जसोल भटियानी माताजी होते हुए 28 अगस्त को बाबा रामदेवरा धाम पहुंचेगी।

तेरापंथ किशोर मंडल विजयनगर द्वारा 'लॉ, लॉजिक एंड लाइफ' कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के निर्देशन में किशोर मंडल द्वारा विजयनगर द्वारा तेरापंथ भवन में 'लॉ, लॉजिक एंड लाइफ सफलता के 7 मंत्र' विषयक कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में किया गया। तेयुप के अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में मुंबई से आए एडवोकेट ललित जैन का परिचय किशोर मंडल के सहसंयोजक प्रिंस मांडोत ने दिया। एडवोकेट ललित जैन ने किशोर मंडल एवं कन्या मंडल को संबोधित करते हुए जीवन में सफलता के लिए सात मंत्र स्टिल, विल, स्किल, ड्रिल, थ्रील, चिल और गुडविल के बारे मे विस्तार से बताया। साध्वी संयमलता जी ने कहा कि जीवन में तीन प्रकार के व्यक्ति होते हैं, पहले जो कार्य नहीं करते हैं, दूसरे जो कार्य करते हैं लेकिन छोटी रुकावट पर उसको बीच में छोड़ देते हैं तीसरे जो कार्य हाथ में लेते हैं, हर बाधा को पार करके अंत तक उस कार्य को पूरा करते हैं एवं सफल होते हैं। हमें भी अपने जीवन में हर कार्य को पूरा करना चाहिए अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। इस अवसर पर सभा, परिषद, महिला मंडल व किशोर युवक व युवती मंडल के अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक दर्शन बाबेल ने किया। सह संयोजक रिदम चावत ने धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

मैसूरु की स्थानीय पर्यावरण जागृति वेदिके ने शनिवार को बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल परिसर में कारगिल विजय दिवस मनाया जिसमें भारतीय सेना के जवान वीरेगौड़ा का सम्मान किया गया। वेदिके के अध्यक्ष महेंद्र सिंह राजपुरोहित ने सभी का स्वागत किया और देश के वीर जवानों का देश निर्माण में योगदान को याद किया। इस अवसर पर स्कूल ट्रस्ट के सचिव वेंकटेश प्रसाद सहित अनेक सदस्य, स्कूल विद्यार्थी उपस्थित थे।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में आयोजित हुआ दिव्य दंपति मंत्र आराधना अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन गांधीनगर में तेरापंथ सभा के तत्वावधान में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के सान्निध्य में दिव्य दंपति मंत्र आराधना अनुष्ठान का आयोजन किया गया। मंत्र आराधना का महत्व उजागर करते हुए मुनिश्री ने कहा कि मंत्र आराधना वर्तमान पारिवारिक सामाजिक समस्याओं का समाधान देने वाला उत्तम उपाय है। मन की शक्ति को जागृत करने में मंत्र का विशेष महत्व होता है। आज के परिवेश में मंत्र अनुष्ठान का आयोजन आवश्यक हो गया है क्योंकि परिवारों में बिखराव, कटुता व क्लेश बढ़ता जा रहा है। पारिवारिक सौहार्द रहेगा तभी गृहस्थ जीवन को सुख शांति से जीने का आनंद आएगा। मुनिश्री ने अनेक जैन मंत्रों का उच्चारण करवाया तथा टेंशन को दूर करने के लिए श्रावक समाज मंत्र जाप करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मन को शांति देने वाला होता है मंत्र आराधना अनुष्ठान। मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने विविध हस्त मुद्राओं के साथ मंत्र आराधना करवाई। इस मंत्र जाप अनुष्ठान में बड़ी संख्या में सकल जैन समाज के श्रावक श्राविका उपस्थित थे। मुनिश्री ने नवकार महामंत्र उच्चारण से अनुष्ठान का प्रारंभ किया। शारीरिक मानसिक स्वास्थ्य प्राप्ति के लिए तथा क्रोध, आवेश मुक्ति का मंत्र प्रयोग बताया। जीवन में आने वाली विघ्न बाधाओं को दूर करने तथा कार्य की सफलता एवं सिद्धि प्राप्ति के लिए जाप करवाया। कन्या मंडल की मिताली सुंदेशामुथा ने अठ्ठाई की तपस्या का प्रत्याख्यान ग्रहण किया। सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने 29 सितंबर को गुरु दर्शनार्थ जाने वाले ज्ञानशाला तथा समण संस्कृति संकाय के संघ की तथा 16 एवं 17 अगस्त को प्रेक्षा ध्यान शिविर की जानकारी दी।

महावीर बनने का मार्ग है अपने को देखना : संतश्री वरुणमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत।। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि व्यक्ति को हमेशा जोड़ने की भावना रखनी चाहिए। अपने स्वार्थवश दूसरों को तोड़ने की नहीं। जब भी देखो केवल अपने को देखो तो महावीर बन जाओगे। महावीर बनने का मार्ग है अपने को देखना। जो स्वयं के बजाय दूसरों के अवगुण, बुराइयों को देखते हैं, उनके जीवन का सर्वांगीण विकास रुक जाता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का चरित्र जितना श्रेष्ठ होगा, उतना ही संघ, समाज एवं परिवार के साथ राष्ट्र की तस्वीर उतनी ही उम्दा और विकसित उन्नत होगी।

वरुणमुनिजी ने कहा कि ज़िन्दगी जीयो तो ऐसे जीयो कि कोई हमारे कारण से हंसे, लेकिन हमारे ऊपर नहीं हंसे। संतश्री ने कहा कि बहु अपने सास की सेवा करें, उनकी आज्ञा का पालन करें और सास भी अपनी बहु को बेटी मानें और अपनापन भरपूर वात्सल्य भाव स्नेह बहु पर लुटाए तो फिर वह घर परिवार हमेशा खुशहाल जीवन जीते हुए सबके लिए एक आदर्श परिवार बन जाता है। जहां पर सब प्रेम, सौहार्दपूर्ण वातावरण में आनंद मंगल के साथ सबसे कनेक्ट जुड़े रहते हैं और सबके साथ परस्पर सहयोग प्रेम भाव और आदर सम्मान का पात्र बन जाते हैं। व्यक्ति को जोड़ने की कला छोटी सी सुई से सीखनी चाहिए, कैंची के समान काटने वाला नहीं बनना चाहिए। संतश्री रुपेश मुनि जी ने भजन के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। उपप्रवर्तक श्री पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश भाई मेहता ने किया।

'अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह के सूत्रों को आत्मसात करना चाहिए'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में साध्वी अणिमाश्रीजी ने हमें जीवन में प्रभु महावीर के अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह के सूत्रों को आत्मसात करना चाहिए। साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि इन्सान में पराक्रम, सामर्थ्य और क्षमता की संभावना है।साध्वीश्री ने कहा कि पुरुषार्थ और पराक्रम में फर्क होता है। पुरुषार्थ शरीर से मेहनत करता है जबकि जब जब शरीर के साथ 'मन-वचन' भी जुड़ जाते हैं वह पराक्रम बन जाता है। हमें तो मोक्ष का पराक्रमी बनना है। पराक्रम से जीवन में एक -एक सोपान चढ़ते जाना है, मंजिल निकट ही है। संघ के अध्यक्ष दीपचन्द भंसाली ने स्वागत किया। मंत्री पदम चन्द बोहरा ने धन्यवाद दिया।

बीजेएस शिव्वमोग्गा ने प्रतिभावान 56 विद्यार्थियों का किया सम्मान

शिव्वमोग्गा/दक्षिण भारत। भारतीय जैन संगठन (बीजेएस) शिव्वमोग्गा चैप्टर द्वारा रविवार को संतश्री उज्ज्वलरत्नसागरजी के सान्निध्य में आदिनाथ भवन में प्रतिभा पुरस्कार-2025 का आयोजन किया गया। बीजेएस के सामाजिक कार्यों पर पीयूष बलाई ने प्रकाश डाला, विजया जैन ने प्रतिभा पुरस्कार के बारे में जानकारी दी। प्रतिभा सम्मान समारोह में कक्षा दसवीं, 12वीं, खेल व अन्य उच्च शिक्षा क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 56 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर संतश्री ने संस्कार, संयम और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जीवन में ऊँचाइयों तक पहुँचने का आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम में मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष देवीचन्द जैन, महावीर जैन सेवा ट्रस्ट के मंत्री बाबूलाल जैन, वर्धमान स्थानकवासी जैन संघ के अमृतलाल जैन,बीजेएस के अध्यक्ष प्रवीण सालेचा, महासचिव निखिल कोठारी, क्षेत्रीय मार्गदर्शक गौतम विनायकिया सहित अन्य पुरुष व महिला सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक विशाल जैन ने व्यवस्था संभाली। खुशबू सुराना ने संचालन किया। पलाश जैन ने धन्यवाद दिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com